राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

RNI.No. UPHIN/2019/79073

स्वतंत्र प्रभात

जो लिखेगा, वही टिकेगा

स्वतंत्र प्रभात दैनिक अख़बार तथा ऑनलाइन चैनल से सीधा जुड़ने के लिए संपर्क करे
9511151254

@swatantraprabhatmedia | @swatantramedia | 9511151254 | epaper.swatantraprabhat.com | @SwatantraPrabhatonline | news@swatantraprabhat.com

सीतापुर से प्रकाशित एंव अयोध्या ,प्रयागराज ,मिर्जापर ,गोरखपुर , बरेली ,बुंदेलखंड , उत्तराखंड , देहरादून

लखनऊ, बुधवार ,19 मार्च 2025
वर्ष 13, अंक 323, पृष्ट 04,मूल्यः 01 रुपया
www.swatantraprabhat.com

गाज़ियाबाद , दिल्ली , हरियाणा , चंडीगढ़ , झारखण्ड , बिहार , मध्य प्रदेश ,असम, तेलंगाना आदि जनपदो में प्रसारित

विष्णुप्रिया मणिपुरी भाषा शहीद सुदेश्ना की 30वीं पुण्यतिथि.....03

बेखौफ चोरों ने दो घरों को बनाया....03

सोने की तस्करी में डीजीपी के रामचंद्र राव को सरकार ने जबरन छुट्टी पर भेजा

डीआरआई ने अदालत में किए सनसनीखेज खुलासे

बेंगलूरु। कर्नाटक पुलिस महानिदेशक (डीपीजी) के रामतंद्र राव की सौतेली बेटी रान्या राव पर लगे सोने की तस्करी के आरोप मामले में राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) ने अदालत में कहा है कि अभिनेत्री रान्या राव के सोने की तस्करी से जुड़े रैकेट में कर्नाटका पुलिस के एक प्रोटोकॉल अधिकारी का इस्तेमाल किया गया था। डीआरआई ने दावा किया कि रान्या ने जनवरी 2023 से अब तक 27 बार दुबई की यात्रा की और उसने हवाला लेनदेन का इस्तेमाल करके भारत से दुबई में धन भेजा है। डीआरआई ने अपनी दलील में कहा कि रान्या ने सुरक्षा को दरकिनार करने के लिए राज्य पुलिस के प्रोटोकॉल अधिकारी का इस्तेमाल किया। केंद्रीय एजेंसी ने अदालत से यह भी कहा कि रान्या ने जांच में सहयोग नहीं किया और उसके खिलाफ कई गंभीर आरोप हैं, जो भारतीय अर्थव्यवस्था और सुरक्षा को प्रभावित कर सकते हैं। इसके बाद कर्नाटक पुलिस के डीजीपी के रामचंद्र राव को सरकार ने जबरन छुट्टी पर भेज दिया है। राव पर आरोप है कि उन्होंने अपनी बेटी के लिए पुलिस प्रोटोकॉल का गलत इस्तेमाल किया। मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने इस मामले की उच्च स्तरीय जांच के आदेश दिए हैं। सीबीआई भी इस मामले की जांच कर रही है और इसमें शामिल नेताओं की भूमिका की भी पड़ताल कर रही है। शुक्रवार को इस मामले में अदालत ने संज्ञान में लेते हुए रान्या की जमानत याचिका को खारिज कर दी थी। इसके अलावा, कर्नाटका सरकार ने रान्या के पिता रामचंद्र राव की भूमिका की जांच के लिए अतिरिक्त मुख्य सचिव गौरव गुप्ता को नियुक्त किया था। लेकिन, कुछ घंटों बाद इस आदेश को वापस ले लिया गया। इस मामले की जांच प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) भी कर रहे हैं। साथ ही मामले में कन्नड़ अभिनेत्री रान्या राव ने इल्जाम लगाया है कि राजस्व खुफिया निदेशालय के अफसर ने उन्हें कई बार थप्पड़ मारे, खाना नहीं दिया और उनसे सादे कागज पर दस्तखत करने को कहा। अतिरिक्त महानिदेशक को लिखे एक खत में रान्या राव ने कहा कि वह निर्दोश हैं और उन्हें गलत केस में फंसाया जा रहा है। इस बीच पता चला है कि कन्नड़ अभिनेत्री रान्या राव से जुड़े सोने की तस्करी के मामले में सीबीआई ने गुरुवार को दर्ज एफआईआर में 'आरोपी' कॉलम को खाली छोड़ दिया है, जिससे राजनीतिक और प्रशासनिक हलकों में हलचल मच गई है। आरोपी कॉलम को खाली छोड़ने के बाद इस सीबीआई का मास्टर स्ट्रोक बताया जा रहा है। सीबीआई के इस फैसले से एजेंसी को किसी भी व्यक्ति को समन करने की सुविधा मिल जाती है खासकर जब राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) को इस रैकेट में एक सिंडिकेट के शामिल होने का शक है। डीआरआई ने सोने की तस्करी के कई मामलों के दस्तावेज इक्ट्ठा करे हैं, जिसमें दो महत्वपूर्ण गिरफ्तारियां शामिल हैं जो दुबई और भारत के बीच एक संगठित नेटवर्क की ओर इशारा करती हैं। इस मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने दिल्ली में मनी-लॉन्ड्रिंग का मामला दर्ज किया और गुरुवार को रान्या के लावेल रोड फ्लैट समेत बेंगलुरु के पांच अन्य स्थानों पर छापेमारी की। बेंगलुरु के अधिकारियों की मदद से ईडी अधिकारियों ने अडुगोडी, इंदिरानगर और कोरमंगला में रान्या के पति से जुड़े ऑफिस में भी छापा मारा। बताया जा रहा है कि दिनभर की छापेमारी के दौरान कई दस्तावेज और इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स जब्त किए गए। 6 मार्च को मुंबई एयरपोर्ट पर 21.2 किलोग्राम सोने के साथ दो विदेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया गया, जिसकी कीमत 19 करोड़ रुपये थी । ठीक कुछ दिन बाद जब रान्या को बेंगलुरु में 14.2 किलोग्राम सोने की तस्करी करते हुए पकड़ा गया था । उनके घर पर की गई तलाशी में और भी बरामदगी हुई । इन ऑपरेशनों की पैमाने एक नेटवर्क की ओर इशारा करती है, जिसमें विदेशी नागरिक और संभवतः कई बड़े सरकारी अधिकारी शामिल हो सकते हैं । पुलिस ने खुलासा किया कि रान्या ने गिरफ्तारी के दिन उनसे संपर्क किया था तथा अपने आगमन के लिए वीआईपी प्रोटोकॉल का अनुरोध किया था।बेंगलुरु के केम्पेगौड़ा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के एक पुलिस अधिकारी ने खुलासा किया है कि अभिनेत्री रान्या राव को उनके सौतेले पिता, वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी डीजीपी के रामचंद्र राव के कहने पर कई मौकों पर वीआईपी प्रोटोकॉल दिया गया था । के रामचंद्र राव कर्नाटक पुलिस हाउसिंग एंड इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन के सीएमडी हैं। फिलहाल सरकार ने उनको अनिवार्य अवकाश पर भेज दिया गया है। अतिरिक्त डीजीपी शरत चंद्र अब उनके कार्यभार को संभालेंगे। यह कार्रवाई मुख्यमंत्री सिद्धारमैया की ओर से उच्च-स्तरीय जांच के आदेश के बाद हुई है। यह जांच राव की भूमिका की पड़ताल करेगी। रिपोर्ट्स के मुताबिक, उनकी 31 साल की अभिनेत्री बेटी रान्या राव नियमित रूप से बेंगलुरु के केम्पेगौड़ा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पुलिस सुरक्षा का इस्तेमाल करती थीं। वह विदेश यात्राओं से लौटते समय पुलिसवालों से एस्कॉर्ट करवाती थीं और सरकारी गाड़ियों का इस्तेमाल करती थीं। मामले की जांच कर रहे जांचकर्ताओं को पता चला कि अभिनेत्री अक्सर दुबई की यात्राएं करता रही है, जिसने राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) का ध्यान आकर्षित किया।उन्होंने हाल के हफ्तों में दुबई की लगभग 30 यात्राएं की थीं। एजेंसी पिछले कुछ समय से उसकी गतिविधियों पर नज़र रख रही थी और उसे संदेह था कि वह एक जाने-माने तस्करी पैटर्न का इस्तेमाल कर रही है। दुबई से हाल ही में वापस आने पर अधिकारियों ने उसे हवाई अड्डे पर रोका और उसके पास से विदेशी मूल की 12 सोने की छड़ें जब्त कीं। रिपोर्ट के अनुसार, हवाई अड्डे पर तैनात हेड कांस्टेबल बसप्पा बिल्लुर उर्फ बसवराज ने अपने बयान में डीआरआई अधिकारियों को बताया कि उसने नियमित सुरक्षा जांच से बचने में रान्या की व्यक्तिगत रूप से सहायता की थी।उन्होंने दावा किया कि उन्हें कई मौकों पर उच्च पदस्थ पुलिस अधिकारियों के परिवार के सदस्यों की आवाजाही को सुगम बनाने के निर्देश दिए गए थे। **शेष खबर -पेज 12**

पिटाई से घायल युवक की मौत, परिजनों ने सड़क पर शव रख किया चक्काजाम!

स्वतंत्र प्रभात

ब्यूरो प्रयागराज। मऊआइमा थाना क्षेत्र केबालाडीह बेलखरिया के पूरा गांव में पिटाई से घायल टाइल्स मिस्त्री की मौत के बाद परिजन अंतिम संस्कार न करने पर अड़ गए हैं। रविवार को पोस्टमार्टम के बाद शव घर पहुंचा तो कोहराम मच गया। परिजनों ने शव को सड़क पर रखकर चक्काजाम शुरू कर दिया है। पुलिस और प्रशासन के अधिकारी आक्रोशित परिजनों को समझाने बुझाने में जुट गए हैं। आरोपियों गिरफ्तारी और सख्त कार्रवाई की मांग समेत कई मांगों को पूरा कराने पर परिवार के लोग अड़े हैं। मौके पर भारी पैमाने पर फोर्स तैनात कर दी गई है। बेलखरिया का पूरा बालाडीह में बीते 25 फरवरी को टाइल्स मिस्त्री और उसके परिजनों के साथ घर में घुसकर पड़ोसियों ने मारपीट की थी। मारपीट में घायल टाइल्स मिस्त्री का एसआरएन में इलाज चल रहा था। शुक्रवार रात को इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। वहीं घटना के बाद से आरोपी घर में तालाबंद कर फरार हैं। रात में पोस्टमार्टम के बाद शव पहुंचा तो ग्रामीणों ने चक्काजाम कर दिया। गांव निवासी शिवकुमारी पत्नी मनोज कुमार सरोज ने बताया कि उसकी पुत्री काजल का पड़ोसी जगत यादव उर्फ कल्लू यादव के साथ लकड़ी को लेकर विवाद हुआ था। शिवकुमारी का आरोप है कि पड़ोसी रात आठ बजे लाठी डंडा और लोहे की रॉड लेकर घर में घुस कर उसे और उसकी पुत्री काजल, पति मनोज को मारपीट कर लहूलुहान कर दिया। जख्मी शिवकुमारी ने मऊआइमा थाने में 26 फरवरी को आरोपी जगत यादव उर्फ कल्लू यादव, उसकी पत्नी शोभा यादव और जगत की बहन प्रीति यादव के खिलाफ हत्या की कोशिश तथा एससी एसटी एक्ट में मुकदमा दर्ज कराया था। आरोपी जगत उर्फ कल्लू यादव, बहन प्रीति यादव की गिरफ्तार की मांग की गई है। पीड़ित 50 लाख की मांग और आरोपी के घर को बुलडोजर से गिराने की पुलिस प्रशासन से मांग की गई है।

संक्षिप्त ख़बरें

मानव कंकाल मिलने की सूचना पर पुलिस अधीक्षक ने लिया संज्ञान,मौके का किया निरीक्षण

देवरिया। पुलिस अधीक्षक विक्रांत वीर ने थाना बरहज क्षेत्रान्तर्गत ग्राम खुदिया पाठक के सिवान में मानव कंकाल का अवशेष मिलने की सूचना पर मौके का निरीक्षण किया। कंकाल के अवशेष को पुलिस ने कब्जे में ले लिया है। घटनास्थल पर फॉरेंसिक टीम द्वारा साक्ष्य संकलन किया जा रहा है । पुलिस अधीक्षक ने इस दौरान बताया कि बरहज थाना क्षेत्र के खुदिया पाठक में मानव कंकाल मिलने की सूचना मिली है स्थल का निरीक्षण किया गया है। फॉरेंसिक टीम ने साक्ष्य संकलन किया है। जाँच की जा रही है।

ट्रेन की चपेट में आने से महिला की मौत

सिद्धार्थनगर। उसका बाजार थाना क्षेत्र के सरौली गांव स्थित रेलवे ट्रैक व प्राथमिक विद्यालय के मध्य रविवार की सुबह लगभग 29 वर्षीय एक अज्ञात महिला का शव मिला। हालांकि महिला की मौत कैसे हुई अभी पूरी

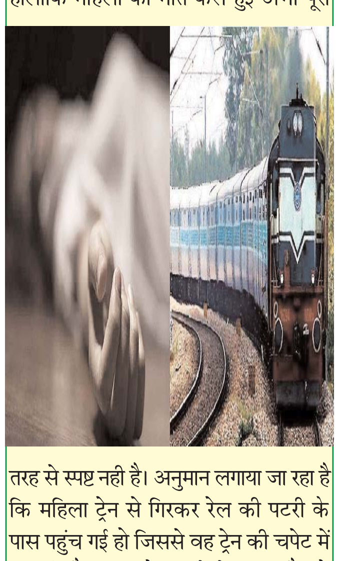

तरह से स्पष्ट नही है। अनुमान लगाया जा रहा है कि महिला ट्रेन से गिरकर रेल की पटरी के पास पहुंच गई हो जिससे वह ट्रेन की चपेट में आ गई और गंभीर चोट लगने से इसकी मौत हो गई। सुबह ग्रामीण जब रेलवे ट्रैक की तरफ गए तो देखा कि एक महिला की लाश पड़ी है। ग्रामिनो ने इसकी सूचना पुलिस को दी, मौके पर आरपीएफ और उसका पुलिस की टीम पहुंच शव का पंचनामा भर शिनाख्त की कोशिश शुरू की। इस संबंध में एसओ रवींद्र सिंह ने बताया कि शव के शिनाख्त के लिए मोर्चरी में रखवा दिया गया है।

अहिरौली थाना क्षेत्र में अपराध बेलगाम, पुलिस प्रशासन लाचार!

अवैध शराब से लेकर लूट और चोरी तक, कानून व्यवस्था सवालों के घेरे में

स्वतंत्र प्रभात

सुनील तिवारी

अंबेडकरनगर के अहिरौली थाना क्षेत्र में अपराध का ग्राफ लगातार बढ़ता जा रहा है, लेकिन मौजूदा थाना प्रभारी की कार्यशैली पर सवाल उठाने वाला कोई नहीं है। स्थानीय लोग आरोप लगा रहे हैं कि थाना प्रभारी किसी प्रभावशाली नेता के संरक्षण में हैं, जिसकी वजह से उन पर की गई तमाम शिकायतों के बावजूद पुलिस विभाग के उच्च अधिकारी भी कोई ठोस कार्रवाई करने से बच रहे हैं। हाल ही में होली के दौरान अवैध शराब की खुलेआम बिक्री ने यह साबित कर दिया कि पुलिस का खौफ खत्म हो चुका है। इससे स्थानीय जनता में कानून-व्यवस्था को लेकर गहरी नाराजगी है।

अपराध की बड़ी घटनाएं, पुलिस प्रशासन मौन

ट्रैक्टर ट्रॉली लूट- चालक को बंधक बनाकर झाड़ियों में फेंका*

तिवारीपुर मुस्लिम पट्टी पुलिया के पास आधी रात को एक ट्रैक्टर-ट्रॉली लूट ली गई। चालक विजय वर्मा को बदमाशों ने हाथ-पैर बांधकर बुरी तरह पीटा और झाड़ियों में फेंक दिया। यह कोई पहली घटना नहीं है, कुछ साल पहले भी इसी जगह लूट की वारदात हो चुकी है। लेकिन पुलिस इस इलाके में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी करने के बजाय मूकदर्शक बनी हुई है।

बाइक शोरूम में लाखों की चोरी, दारोगा बोले - होली खेल रहे हैं, बाद में आइए

बरवा बाजार में एक बाइक शोरूम से छह मोटरसाइकिल, एक लाख नगद और ऑटो पार्ट्स समेत करीब तीन लाख रुपये की चोरी हो गई। एजेंसी मालिक का कहना है कि उनके यहां होलसेल स्पेयर पार्ट्स बिकते हैं, ऐसे में चोरी की सही रकम का अंदाजा लगाना मुश्किल है। जब शिकायत दर्ज कराने के लिए पीड़ित थाना पहुंचा तो हल्का दरोगा ने जवाब दिया - अभी होली खेल रहे हैं, तीन बजे के बाद आइए एप्लिकेशन लेकर। इस लापरवाह रवैये से पुलिस की कार्यशैली पर गंभीर सवाल खड़े होते हैं।

गलत कार मालिक पर मुकदमा, सीसीटीवी फुटेज ने खोली पुलिस की पोल

एक और मामला पुलिस की कार्यशैली पर सवाल उठाता है। गोपालपुर चौराहे पर हुए सड़क हादसे में पुलिस ने बिना जांच किए निर्दोष कार मालिक महेश पर मुकदमा दर्ज कर दिया। बाद में सीसीटीवी फुटेज सामने आने पर असली आरोपी का पता चला, जो ब्लू रंग की बलेनो कार से दुर्घटना कर भाग गया था। इस मामले ने पुलिस की जल्दबाजी और लापरवाही को उजागर कर दिया है।

गांजे की अवैध बिक्री जोरो पर

अन्नावा में दो जगह कटेहरी में एक जगह अशरफपुर बरवा व मिझौड़ा चौराहा के पास लगातार गांजे की अवैध बिक्री पुलिस के संरक्षण में चल रही है। कार्यवाही के नाम पर अपराधियों को पकड़ कर पैसा वसूला जाता है और छोड़ दिया जाता है।

जनता में आक्रोश, पर पुलिस निष्क्रिय

लगातार बढ़ रहे अपराधों और पुलिस की निष्क्रियता के कारण क्षेत्र में दहशत का माहौल है। जनता का कहना है कि अपराधियों के हौसले इतने बुलंद हो चुके हैं कि अब वे बेखौफ होकर घटनाओं को अंजाम दे रहे हैं। यदि समय रहते पुलिस ने ठोस कदम नहीं उठाए तो अहिरौली थाना क्षेत्र पूरी तरह अपराधियों के कब्जे में चला जाएगा। अब देखना यह होगा कि प्रशासन जनता की आवाज़ सुनेगा या फिर लोकल राजनीतिक दबाव की वजह से अहिरौली थाना प्रभारी की पुलिस से आम पब्लिक पीड़ित होती रहेगी और फर्जी मुकदमे में फंसती रहेगी?

फैसला — आर्थिक तौर पर निर्भर हर मेंबर को मिलेगा

सड़क हादसे में मुआवजा पर सुप्रीम कोर्ट का बड़ा फैसला

स्वतंत्र प्रभात

ब्यूरो प्रयागराज। सुप्रीम कोर्ट ने अपने एक महत्वपूर्ण फैसले में कहा है कि सड़क हादसे में मृतक पर आर्थिक तौर पर निर्भर हर मेंबर को मिलेगा। इस मामले में कानूनी रिप्रेजेंटेटिव की संकीर्ण व्याख्या नहीं की जा सकती है। जो लोग आर्थिक तौर पर मृतक पर निर्भर थे उन्हें दावेदारों की कैटिगरी से बाहर नहीं किया जा सकता है। सुप्रीम कोर्ट ने सड़क हादसे में मुआवजे के लिए महत्वपूर्ण फैसला सुनाया है, जिसमें कहा गया है कि मुआवजा केवल मृतक के पारंपरिक उत्तराधिकारियों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि उन सभी को मिलेगा जो मृतक की आय पर निर्भर थे। ग्वालियर मामले में अदालत ने मृतक के पिता और बहन को भी आश्रित मानते हुए मुआवजा देने का आदेश दिया। सुप्रीम कोर्ट ने फैसले में यह भी स्पष्ट किया कि कानूनी प्रतिनिधि वह व्यक्ति होता है जो सड़क दुर्घटना में किसी शख्स की मृत्यु के कारण पीड़ित होता है और यह जरूरी नहीं कि केवल पत्नी, पति, माता-पिता या

संतान ही हो। जस्टिस संजय करोल और जस्टिस प्रशांत कुमार मिश्रा की बेंच ने उस मामले की सुनवाई की जिसमें मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण ने मुआवजा प्रदान करते समय मृतक के पिता और बहन को आश्रित नहीं माना था। मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण ने माना कि मृतक के पिता उनकी आय पर निर्भर नहीं थे और चूंकि पिता जीवित थे, इसलिए छोटी बहन को भी आश्रित नहीं माना जा सकता था। मध्य प्रदेश हाई कोर्ट ने ख़्ख़्ज़् के इस फैसले को बरकरार रखा जिसके बाद यह मामला सुप्रीम कोर्ट के सामने आया। सुप्रीम कोर्ट ने इस फैसले को रद्द करते हुए माना कि निचली अदालतों ने अपीलकर्ताओं को मृतक का आश्रित मानने से इनकार करके गलती की थी। शीर्ष अदालत ने स्पष्ट किया कि मुआवजा केवल पति-पत्नी, माता-पिता या बच्चों तक सीमित नहीं है, बल्कि उन सभी व्यक्तियों तक विस्तार होता है जो मरने वाले के कारण प्रभावित हुए हैं। सुप्रीम कोर्ट ने मुआवजा राशि 17 लाख 52 हजार 500 तय कर दी। ग्वालियर में 25 सितंबर 2016 को 24 साल के धीरज सिंह तोमर ऑटो में जा रहे थे। ड्राइवर तेज रफ्तार से ऑटो चला रहा था। लापरवाही के कारण ऑटो दुर्घटनाग्रस्त हो गया और धीरज की मौके पर ही मृत्यु हो गई। एमएसीटी ने मामले में कुल 9,77,200 मुआवजे भुगतान का आदेश दिया गया। मृतक के परिजनों को यह रकम भुगतान किए जाने का निर्देश दिया। लेकिन साथ ही कोर्ट ने मृतक के पिता और बहन को दावेदार नहीं माना और अन्य दावेदारों को यह रकम दिए जाने को कहा गया था। सुप्रीम कोर्ट ने अपीलकर्ताओं जिनमें मृतक के पिता और बहन को मृतक का आश्रित माना और उन्हें मुआवजा प्रदान किया। यह फैसला भविष्य के मामलों में महत्वपूर्ण प्रभाव डालेगा, क्योंकि यह स्पष्ट करता है कि मोटर वाहन दुर्घटनाओं में मुआवजा केवल मृतक के पारंपरिक उत्तराधिकारियों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि उन सभी लोगों को मिलेगा जो उसकी आय पर निर्भर थे। सुप्रीम कोर्ट ने अपने एक महत्वपूर्ण फैसले में कहा है कि सड़क हादसे में मुआवजा मृतक पर आर्थिक तौर पर निर्भर हर मेंबर को मिलेगा। इस मामले में कानूनी रिप्रेजेंटेटिव की संकीर्ण व्याख्या नहीं की जा सकती है। जो लोग आर्थिक तौर पर मृतक पर निर्भर थे उन्हें दावेदारों की कैटिगरी से बाहर नहीं किया जा सकता है। सुप्रीम कोर्ट ने सड़क हादसे में मुआवजे के लिए महत्वपूर्ण फैसला सुनाया है, जिसमें कहा गया है कि मुआवजा केवल मृतक के पारंपरिक उत्तराधिकारियों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि उन सभी को मिलेगा जो मृतक की आय पर निर्भर थे। ग्वालियर मामले में अदालत ने मृतक के पिता और बहन को भी आश्रित मानते हुए मुआवजा देने का आदेश दिया। सुप्रीम कोर्ट ने फैसले में यह भी स्पष्ट किया कि कानूनी प्रतिनिधि वह व्यक्ति होता है जो सड़क दुर्घटना में किसी शख्स की मृत्यु के कारण पीड़ित होता है और यह जरूरी नहीं कि केवल पत्नी, पति, माता-पिता या संतान ही हो। जस्टिस संजय करोल और जस्टिस प्रशांत कुमार मिश्रा की बेंच ने उस मामले की सुनवाई की जिसमें मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण ने मुआवजा प्रदान करते समय मृतक के पिता और बहन को आश्रित नहीं माना था। **शेष खबर -पेज 12**

राजेश शुक्ला को जमुनापार के जिलाध्यक्ष बनाने पर खुशी।

प्रयागराज। भाजपा जिलाध्यक्ष जमुना पार का राजेश शुक्ला को अध्यक्ष बनाये पर सहसो चौराहे पर पूर्व महामंत्री बी डी ओसिह की अध्यक्षता में बैठक हुई जिसमें लोगों को मिठाई

बांटकर खुशी जताई गई। बैठक में सर्व श्री जय प्रकाश द्विवेदी,सत्यम हिन्दू, पुष्कर सिह मण्डल अध्यक्ष सहसो, रविन्द्र शास्त्री, प्रमोद त्रिपाठी आजाद, अशोक मिश्रा, पप्पू मिश्रा, बालगोविंद तिवारी, आदि शामिल रहे

होली के रंगो पर हुड़दंग और हिंसा की कालिख क्यों!

समाज में बंधुत्व प्रेम सद्भाव समरसता के संदेश का रंगपर्व आखिर क्यों बन जाता है कलह वैमनस्यता खून खराबे का दिन? आप जानते हैं कि इस बार होली और रमजान का जुमा एक दिन होने की वजह से पूरे देश में होली पर हाई अलर्ट किया गया था। पुलिस व सुरक्षा बलों की चौकसी और नागरिकों के संयम की वजह से देश में कोई बड़ी घटना नहीं हुई। फिर भी कम से कम चार राज्यों में होली पर हिंसा और झड़प की वारदातों को अंजाम दिया गया है। वहीं देश भर में नशा कर गाड़ी चलाने और हुड़दंग मचाने की सैकड़ों वारदातों में पचास लोग जान गंवा गए जबकि सैकड़ों की संख्या में लोग घायल अवस्था में अस्पतालों में इलाज के लिए लाए गए। अकेले उत्तर प्रदेश में 250 से अधिक सड़क दुर्घटना दर्ज की गई है जिसमें 430 लोग घायल हुए हैं। जबकि उत्तराखंड में हुड़दंग हिंसा की वारदातों में कुल 14 लोगों की मौत हो गई।

सामाजिक समरसता के खिलाफ अप्रिय वारदातों में पश्चिम बंगाल की वीरभूम की वारदात को गंभीर माना जा रहा है। वहां हिंसा के बाद 17 मार्च तक इंटरनेट बंद कर दिया गया है। राजनीतिक दलों के नेताओं ने इस को लेकर आरोप प्रत्यारोप लगाने शुरू कर दिया है। भाजपा ने हिंसा के बाद राज्य सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि हिंदू त्योहारों पर ही ऐसी हिंसा क्यों होती है?केंद्रीय मंत्री सुकांत मजूमदार ने हिंसा के बाद राज्य सरकार पर हमला करते हुए कहा कि राज्य की पुलिस और प्रशासन पूरी तरह से निष्क्रिय हो गए हैं। भाजपा विधायक अग्निमित्रा पॉल ने भी शनिवार को ममता बनर्जी सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने सवाल उठाया है कि हिंदू त्योहारों के दौरान हिंसा क्यों होती है? उन्होंने बंगाल की सीएम ममता बनर्जी और उनकी सरकार पर तुष्टीकरण की राजनीति करने का आरोप लगाया।

पश्चिम बंगाल के अलावा तीन और राज्यों बिहार छत्तीसगढ़ पंजाब में होली पर हिंसा हुई। बिहार के मुंगेर में ग्रामीणों के हमले में एक असिस्टेंट सब इंस्पेक्टर की मौत हो गई। पटना में दो गुटों में होलिका दहन का विवाद होली के दिन पथराव तक पहुंच गया। पुलिस की गाड़ी के शीशे तोड़ दिए गए। यहां फायरिंग की भी खबर है। झारखंड के गिरिडीह में होली के दिन दो गुटों में पथराव के बाद उपद्रवियों ने दुकानों और बाइक में आग लगा दी। इसके अलावा पंजाब के लुधियाना में दो समुदायों के बीच ईंट, पत्थर और बोतलें चलीं। झड़प में 11 लोग घायल हुए हैं। मुसलमानों कहना है कि नमाज अदा करते वक्त पथराव किया गया। वहीं हिंदुओं का कहना है कि पहले मस्जिद की तरफ ईंट फेंकी गई। कई वाहनों में भी तोड़फोड़ हुई है।

बेंगलुरु में नशे में धुत कुछ लोगों के बीच हुए झगड़े में तीन लोगों की मौत की खबर आ रही है. पुलिस की शुरुआती जांच में पता चला है कि मामला होली के दिन का है. जब एक निर्माणधीन इमारत में होली पार्टी करने के दौरान बिहार से आए छह मजदूरों के बीच मारपीट हो गई. मजदूरों के बीच पहले बहस शुरू हुई थी जो देखते ही देखते हिंसक हो गई. जांच में पता चला विवाद की शुरुआत किसी महिला को लेकर की गई टिप्पणी से शुरू हुई थी. मजदूरों के बीच आपसी झड़प के दौरान लोगों ने एक दूसरे पर लाठी और छड़ से हमला कर दिया. घटना में तीन लोगों को गंभीर रूप से चोटें आई. जिस वजह से उनकी मौत हो गई. घटना के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए. पुलिस को घटना की सूचना मिली तो मौके से पुलिस ने तीन लोगों के शवों को बरामद किया।

पुलिस टीम को पहला शव अपार्टमेंट के रास्ते में मिला, जबकि दूसरा कमरे के अंदर और तीसरा अपार्टमेंट से बाहर मिला. पुलिस ने दो मृतकों की पहचान 22 वर्षीय अनसू और 23 वर्षीय राधे श्याम के रूप में की है. जबकि तीसरे मृतक की पहचान नहीं हो पाई है।

आप को बता दें पश्चिम बंगाल के बीरभूम में दो समूहों के बीच हिंसक झड़प की खबर है राज्य सरकार ने इलाक़े में इंटरनेट सेवाओं को सस्पेंड कर दिया. क़ानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए भारी संख्या में सुरक्षाबलों को तैनात भी किया गया है. पुलिस का कहना है कि घटना के बाद 20 से ज़्यादा लोगों को हिरासत में लिया गया है.इस हिंसा की शुरुआत 14 मार्च, यानी होली के दिन हुई. इंडिया टुडे के इनपुट के मुताबिक़, सैंथिया कस्बे में एक ग्रुप और नशे में धुत कुछ लोगों के बीच कहासुनी हो गई. स्थिति तब और बिगड़ गई, जब दोनों ग्रुट एक-दूसरे पर पत्थर फेंकने लगे और हाथापाई हो गई. हालात को संभालने के लिए पुलिस की तरफ़ से हल्का लाठीचार्ज भी किया गया. विवाद में कुछ स्थानीय लोगों के घायल होने की खबर है।

हिंसक वारदात के बाद पश्चिम बंगाल के गृह विभाग ने इंटरनेट सस्पेंड करने का आदेश जारी किया. पुलिस का कहना है कि स्थिति पर काबू पा लिया गया है.

झारखंड के गिरिडीह जिले में स्थित घोड़थंबा में होली 14 मार्च 2025 के दिन जुलूस के दौरान हिंदुओं पर हमला हुआ। ये हमला मस्जिद वाली गली में हुआ। इस हिंसा के दौरान एक खास समुदाय के घरों से पत्थर चले। मस्जिद वाली गली में हिंदुओं के जुलूस को निशाना बनाया गया , फिर पीछे की गली में मंदिर पर हमले-पथराव और पुलिस की गाड़ियों को निशाना बनाया गया । इन सभी का सिलसिलेवार तरीके से एफआईआर की कॉपी में भी जिक्र है।

आरोप है कि इसके बावजूद कथित राजनीतिक तुष्टिकरण की राजनीति के चलते आरोपित नंबर 1 से 11 तक हिंदुओं के नाम है। झारखंड के नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने इस पर घोर आपत्ति व्यक्त की है। इस कार्रवाई पर सवाल उठाते हुए उन्होंने प्रशासन पर हिंदुओं को निशाना बनाने का आरोप लगाया है।

एफआईआर के अनुसार, 14 मार्च 2025 की शाम 15-20 लोगों की होली की टोली मस्जिद गली से गुजरना चाहती थी, लेकिन नमाज का समय होने की वजह से उन्हें रोका गया। टोली का कहना था कि वे हर साल इसी रास्ते से जाते हैं। समझाने के बावजूद टोली गली में आगे बढ़ गई। इसके बाद कथित तौर पर समुदाय विशेष के लोगों ने पेट्रोल बम, बोतल, ईंट और पत्थरों से हमला शुरू कर दिया। बाजार चौक के पास पेट्रोल बम फेंककर कई दुकानों, बाइकों और गाड़ियों में आग लगा दी गई।जानकारी के अनुसार प्राथमिकी में इस बात का साफ-साफ जिक्र है कि समुदाय विशेष ने मंदिर पर हमला किया। पत्थर फेंके और पुलिस पहुँची तो उसकी गाड़ियों को आग के हवाले कर दिया गया। इस हिंसा में चार पुलिसकर्मी घायल हुए। प्राथमिकी धनवार के बीपीओ सह दंडाधिकारी सुरेंद्र कुमार वर्णवाल ने दर्ज की है।

दिल्ली के द्वारका में होली का जश्न हिंसा में बदल गया. गोयला डेरी स्थित छठ घाट पार्क में होली का जश्न मनाया जा रहा था. इस दौरान हुआ छोटा विवाद हाथापाई में बदल गया. दिल्ली पुलिस के मुताबिक, राजू कुमार (35) अपने दोस्त राजेश से मिलने के लिए टैक्सी से पार्क गया था. उत्सव के दौरान, होली का कुछ रंग गलती से एक लड़के पर गिर गया, जिससे दोनों में तीखी बहस हो गई कुछ देर बाद, लड़के ने अपने दोस्तों के साथ मिलकर राजू कुमार और राजेश पर हमला कर दिया. मारपीट में हमलावरों ने राजू कुमार की टैक्सी में भी तोड़फोड़ की और उसके शीशे तोड़ दिए।

पंजाब के लुधियाना में दो समुदायों के बीच ईंट-पत्थर और बोतलें चलीं। झड़प में 11 लोग घायल हुए हैं। विशेष समुदाय के लोगों का कहना है कि नमाज अदा करते वक्त पथराव किया गया। वहीं दूसरे पक्ष का कहना है कि पहले मस्जिद की तरफ ईंट फेंकी गई। कई वाहनों में भी तोड़फोड़ हुई है।

पश्चिम बंगाल में भी होली पर्व पर हिंसा हुई है। भाजपा ने नंदीग्राम में मूर्ति तोड़ने का आरोप लगाया है। भाजपा आइटी सेल ने भी तस्वीरें पोस्ट कर आरोप लगाया कि बरुईपुर, जादवपुर और मुर्शिदाबाद समेत पूरे प्रदेश में त्योहार पर शरारत करने की घटनाएं सामने आई हैं।

पटना के एनटीपीसी थाना क्षेत्र के सहनौरा गांव में होलिका दहन को लेकर दो पक्षों में शुक्रवार को झड़प हो गई। एक पक्ष के ग्रामीण ने सड़क पर होलिका दहन किया, जिसका दूसरे पक्ष ने विरोध किया।रात से ही दोनों पक्षों में तनाव की स्थिति बनी हुई थी। धुलेंडी की दोपहर करीब 1 बजे स्थिति बिगड़ गई और दोनों पक्षों में जमकर पत्थरबाजी हुई। मौके पर पहुंची पुलिस टीम को भी आक्रोशित लोगों ने खदेड़ दिया। पुलिस की गाड़ी पर भी पत्थर फेंके गए।

देश भर में होली रंग के दौरान व्यापक एहतियात के बावजूद की स्थानों पर सांप्रदायिक झगड़े छिटपुट हिंसा एक सहायक उपनिरीक्षक की हत्या समुदायों के बीच पनपी घृणा विद्वेष को बयान करती है। क्या जरूरत है कि मस्जिद के सामने ही हुड़दंग किया जाए और पहले से ही पथराव के लिए एक समुदाय पत्थर और पैट्रोल की तैयारी रखे? दोषी दोनों हैं।आजादी के 78 साल बाद भी फिरकापरस्ती और घृणा का यह षडयंत्र खत्म होना चाहिए। जरूरत इस बात की है कि रंगों की होली को खून की होली में तब्दील करने वाले दंगाइयों असामाजिक तत्वों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्यवाही की जानी चाहिए ताकि भविष्य में ऐसी वारदातों की पुनरावृत्ति न हो और सद्भाव के रंगों को बदरंग होने से बचाया जा सके। (लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं)।

मनोज कुमार अग्रवाल

संपादकीय

रील्स की दुनिया में पॉपुलैरिटी के लिए लाज-शर्म छोड़ देना कितना जायज है, क्या नैतिक मानदंडों के लिए अलग से सेंसर बोर्ड बना देना चाहिए?

रील्स की दुनिया में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर पॉपुलैरिटी के लिए लाज-शर्म छोड़ देना एक जटिल मुद्दा बन गया है। हालांकि इसके सकारात्मक कई पहलू भी हैं, जैसे- रचनात्मक अभिव्यक्ति, आत्मविश्वास में वृद्धि, आर्थिक अवसर आदि। लोग रील्स के माध्यम से अपने उत्पादों या सेवाओं का प्रचार करते हैं और आर्थिक लाभ प्राप्त करते हैं। कुछ लोग एक तरफ आत्मविश्वास बढ़ाने और झिझक को दूर करने का तरीका अपनाते हैं तो कुछ लोग अपने अनोखे अंदाज और प्रतिभा से दर्शकों को आकर्षित करते हैं। रील्स लोगों को अपनी रचनात्मकता को व्यक्त करने का एक मंच प्रदान करता है।

दूसरी तरफ रील्स के कई अनगिनत नकारात्मक पहलू भी हैं। आज ज्यादातर रील्स में अश्लीलता या अनुचित सामग्री होती है। यह हमारे समाज में नैतिक मूल्यों के ह्रास का कारण बन रही है। रील्स की इस दुनिया में लोग पर्सनल लाइफ की बातें और बेडरूम की हरकतों को खुल कर सार्वजनिक कर रहे हैं। मेट्रो में, पार्कों में, बसों में कपल्स बेशर्म होकर रील्स बनाते हैं। इसमें सिर्फ युवा वर्ग ही शामिल नहीं हैं बल्कि हर आयु वर्ग के लोग रील्स के माध्यम से अश्लीलता, नाच-गाने, पति-पत्नी किसिंग एवं रोमांस सीन आदि अपलोड करने में हिचकिचा नहीं रहे हैं। उन्हें लगता है ऐसा करने से जीरो मेरिट के बावजूद भी पॉपुलैरिटी जल्दी मिलेगी जबकि जीरो मेरिट में मेहनत से जान फूंका जाए तो टॉप मेरिट बन जाएगी। यह संभव है।

एक दौर ऐसा भी था जब लड़कियों का दुपट्टा सरक जाते थे तो लोग कॉमेंट करने से बाज नहीं आते थे और नैतिकता पर सवाल खड़ा करते थे और आज दुपट्टा सरक, सरक के कहां सरक गया, किसी को नहीं मालूम। वह दौर ऐसा भी था जब पैंट कहीं से थोड़ा फट जाए तो लोग रफू के चक्कर में दर्जी ढूंढते थे और आज अच्छे खासे पैंट फाड़ कर अधनंगे होकर लाज-शर्म छोड़कर रील्स बना रहे हैं। कुछ लोग रील्स दूसरों को नीचा दिखाने या उनका मजाक उड़ाने के लिए बनाते हैं, जो भावनात्मक रूप से गलत और हानिकारक है।

रील्स का अत्यधिक उपयोग एक व्यसन बनता जा रहा है जिससे समय की बर्बादी और मानसिक स्वास्थ्य पर नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है। निजी जानकारी या संवेदनशील सामग्री शेयर करने से सुरक्षा जोखिम पैदा हो रहे हैं। अपनी सीमाओं को जानना, नैतिक मूल्यों का पालन करना और दूसरों का सम्मान करना महत्वपूर्ण है। पॉपुलैरिटी हासिल करने के चक्कर में अपनी गरिमा और मूल्यों से समझौता करना उचित नहीं है।

रील्स और अश्लीलता को रोकने के मामले में कई देशों ने अलग-अलग कदम उठाए हैं। कुछ देशों ने सख्त कानून बनाए हैं, जबकि कुछ अन्य ने शिक्षा और जागरूकता अभियानों पर ध्यान केंद्रित किया है। चीन में ऑनलाइन अश्लील सामग्री पर सख्त नियंत्रण है। सरकार अश्लील सामग्री को सख्ती से प्रतिबंधित करती है और उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करती है। सऊदी अरब में भी अश्लील सामग्री पर सख्त प्रतिबंध हैं। देश के इस्लामी कानूनों के अनुसार, अश्लील सामग्री को अवैध माना जाता है। यूएई में भी ऑनलाइन अश्लील सामग्री पर सख्त नियम हैं। अश्लील सामग्री को प्रतिबंधित किया जाता है और उल्लंघन करने वालों को भारी जुर्माना या कारावास हो सकता है।

हमारा देश सभ्यता, नैतिकता और आदर्शों के मामले में विश्व में एक अलग स्थान रखता है। यहां की सभ्य वेशभूषा को आज रूस, ब्रिटेन आदि देशों के लोग अपना रहे हैं। वो भारत घूमने आते हैं। विदेशी महिलाएं साड़ी पहनकर फोटो खींचवा रही हैं। वो लोग मेरी सभ्यता संस्कृति, वेशभूषा और भाषा को अपना कर गर्व महसूस कर रहे हैं। हमारे देश के कपल्स एवं अन्य लोग फटी पैंट, अर्धनग्न वेश भूषा आदि के साथ अश्लील सामग्री सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर बेहिचक अपलोड करके कैसी पॉपुलैरिटी हासिल करना चाहते हैं, यह समझ से परे है।

हालांकि, हमारे देश में सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) अधिनियम के तहत अश्लील सामग्री को प्रतिबंधित किया गया है। सरकार ऑनलाइन सुरक्षा को बढ़ावा देने के लिए जागरूकता अभियान भी चलाती है। ओटीटी को ले कर भी नए नियम बनाए गए है। इसके बावजूद रील्स के माध्यम से अर्धनग्न होकर नाचना गाना, किसिंग सीन बनाना और उसे सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर बेहिचक अपलोड करना कितना जायज है? क्या यह भारतीय समाज के नैतिक मूल्यों का ह्रास नहीं है? रील्स के लिए नैतिक मानदंडों के लिए एक अलग सेंसर बोर्ड स्थापित करने की जरूरत है। कुछ लोग मानते हैं कि एक सेंसर बोर्ड अनुचित सामग्री को विनियमित करने और समाज के नैतिक मूल्यों की रक्षा करने में मदद कर सकता है। हालांकि, कुछ लोग मानते हैं कि एक सेंसर बोर्ड अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को सीमित करेगा और रचनात्मकता को दबा देगा। कुल मिलाकर, रील्स की दुनिया में पॉपुलैरिटी के लिए लाज-शर्म छोड़ने का मुद्दा जटिल है और इसके कई पहलू हैं। समाज और सरकार को इस मुद्दे पर खुली और ईमानदार बातचीत करने की आवश्यकता है ताकि हम एक ऐसा संतुलन बना सकें जो अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और नैतिक मूल्यों दोनों का सम्मान करे।

लेखक- कृष्ण कुमार

कुंभ से उपजते युवा पीढ़ी के लिए शोध के विषय

कुंभ सनातनियों के लिए आस्था और विश्वास का सबसे बड़ा मेला सिद्ध हुआ। इसमें युवा पीढ़ी को भी विविध अखाड़ों के साधु-संतों, ऋषि-मुनियों , कथावाचकों आदि को निकट से देखने, विविध पूजा पद्धतियों, तप, साधना आदि को करीब से जानने तथा वेद, पुराण , उपनिषद, भागवत, गीता, रामायण आदि सनातन ग्रंथों के गुढ रहस्यों से साक्षात्कार करने के साथ साथ शासन, प्रशासन, समाजिक संस्थाओं तथा मठ, मंदिर, अखाड़ों, आश्रमों की व्यवस्था तथा क्रिया कलापों को समझने का अवसर भी प्राप्त हुआ।

महाकुंभ 2025 ने युवाओं के मन से इस विचार को मुक्ति दिलाने में सफलता प्राप्त की जिसमें यह कहा जाता रहा है कि स्नान , ध्यान, पूजा, पाठ, धर्म,दान,पुण्य, तीर्थाटन आदि जैसे धार्मिक आयोजनों में सहभागिता के लिए जीवन का उत्तरार्ध समय सबसे उपयुक्त है। सनातन धर्म के तीज त्योहार,वृत अवैज्ञानिक है। कुंभ 2025 में युवाओं की बढ़ती सहभागिता से ऐसा लगा कि आज की युवा पीढ़ी में न सिर्फ अपने सनातन धर्म और उससे जुड़े संस्कार, संस्कृति, रीति, रिवाज के प्रति आस्था और विश्वास बढ़ा है अपितु वह उससे जुड़े सभी पक्षों को करीब से जानना चाहती है।वह उस विचार से भी बाहर निकलना चाहती हैं जिसमें कहां जाता रहा है कि सनातन विज्ञान को न मानने वालों का धर्म है, ढोंग और पाखंडियों का धर्म है, पंडित । कुंभ ने यह बता दिया कि देश की सनातन युवा पीढ़ी का झुकाव देश के तीर्थ स्थलों, मेलों, तीज़-त्यौहारों की ओर बढ़ रहा है,वह भी इस विश्वास के साथ कि उनकी अधिक से अधिक धार्मिक आयोजनों में सहभागिता धर्म के नाम पर किए जानें वाले पाखंड और अवैज्ञानिक कृत्यों से छुटकारा दिला सकती है। सनातन को सर्व ग्राह्य बना सकती है।

प्रयाग महाकुंभ ने युवाओं के मन में कई प्रश्नों को जन्म दिया है, शायद यह वर्ग शोध के माध्यम से उन प्रश्नों के उत्तर खोजने का प्रयास भी करें जैसे (1) क्या कुंभ जैसे बड़े धार्मिक आयोजन देश में चली आ रही विभिन्न समस्याओं जैसे भुखमरी, बेरोजगारी , मंदिरों के प्रबंधन, जलस्रोतों के प्रदूषण , शहरों की साफ, सफाई, स्वच्छता, विकास के साथ स्थानीय लघु और कुटीर उद्योगों आदि की समस्याओं को और जटिल बनाते हैं या समाधान कारक बनते हैं ?(2) क्या इस तरह के आयोजनों में विभिन्न साधु-संतों, महात्माओं, महापुरुषों आदि से मिलना, उनके विचारों को सुनना और योग, प्रणायाम,ध्यान-साधना आदि में में भाग लेने से जीवन में स्थिरता आती है, आत्मिक शांति मिलती है?(3) क्या इस तरह के आयोजन उन्हें अपनी सनातन संस्कृति और परंपराओं को करीब से जानने, जुड़ने और सहजने के लिए प्रेरित करते हैं?(4) क्या युवाओं को अपने इतिहास और सांस्कृतिक धरोहर के प्रति गर्व होता है?(5) क्या इस तरह के आयोजन से उन्हें सामाजिक समरसता को करीब से जानने और अनुभव करने का अवसर मिलता हैं !लिंग, जाति, भाषा, ऊंच-नीच ,अमीर × गरीब के मध्य भेद दिखाई देता?(6) क्या इस तरह के आयोजन सही अर्थों में एकता और समानता के महत्व को समझने में मदद करते हैं ?(7) क्या इस तरह के आयोजन समाज में भाईचारे और सद्भावना को बढ़ावा देने के लिए प्रेरित करते हैं?(8) क्या इस तरह के आयोजन सम्पन्न लोगों को गरीबों के लिए दान और सेवा भाव के लिए प्रेरित करते हैं?(9)क्या महाकुंभ के दौरान ध्यान, प्रणायाम,योग, आर्युवेद और प्राकृतिक चिकित्सा आदि को वैश्विक पहचान मिलती है?(9

10) क्या कुंभ जैसे आयोजन युवाओं को एक स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करते हैं?(11) क्या कुंभ जैसे आयोजन पर्यावरण का महत्व, संसाधनों के संरक्षण का संदेश,पवित्र नदियों को प्रवाहमान एवं प्रदूषण से मुक्त रखने की सीख दे पाने में सफल होते हैं?(12) क्या कुंभ जैसे मेले सहभागियों को स्वच्छता के प्रति जागरूक बना पाते हैं?(13) क्या कुंभ से युवा पीढ़ी नेतृत्व, टीम वर्क, अनुशासन ,और समाज सेवा का महत्व समझ पाती है?(14) क्या इस तरह के

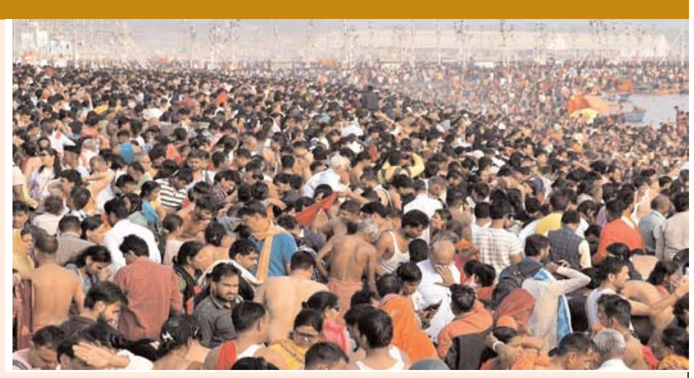

आयोजन युवा पीढ़ी के व्यक्तित्व विकास में सहायक हो सकते हैं?(15)महाकुंभ जैसे आयोजन देशवासियों के साथ ही विदेशियों के लिए भी आकर्षण का केन्द्र रहते हैं और उन्हें सहभागिता प्रदान करने का अवसर प्रदान करते हैं। क्या विदेशियों की उपस्थिति भारतीय युवाओं को विभिन्न विदेशी संस्कृतियों और विचारधाराओं को समझने का मौका देती है?या फिर भारतीय दृष्टिकोण में व्यापक बदलाव का कारण बनती है?

(16) क्या कुंभ जैसे धार्मिक मेलों से मिलने वाले आध्यात्मिक अनुभवों का मानव मस्तिष्क और मानसिक स्वास्थ्य पर अच्छा प्रभाव पड़ता है?(17) क्या महाकुंभ जैसे आयोजन युवाओं को जीवन के उच्चतर लक्ष्यों के प्राप्त करने के लिए प्रेरित कर सकते हैं?(18) क्या कुंभ समाज में सकारात्मक बदलाव लाने की प्रेरणा देता है?(19)क्या महाकुंभ से स्थानीय और राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है?(20) क्या महाकुंभ के जरिए भारत में धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा मिलता है?(21) क्या इस तरह के आयोजनों से लोक साहित्य,लोक संगीत, लोक नृत्य और लोक कलाओं को बढ़ावा और नवाचार के अवसर मिलते हैं?(22)क्या इस तरह के आयोजन शोध, नवाचार और स्टार्टअप के लिए एक अवसर हैं?(23) क्या कुंभ जैसे मेले जहां भीड़ अनुमान से अधिक पहुंचती है से करोड़ों लोगों को क्वालिटी आधार भूत सुविधाओं (जैसे भीड़ प्रबंधन,आवागमन, निवास, भोजन, स्वास्थ्य,उर्जा एवं शुद्ध पेयजल आपूर्ति, स्वच्छता, कचरा प्रबंधन, मल-मूत्र त्याग स्थान की व्यवस्था तथा इनके निष्पादन की उचित प्रक्रिया आदि)बेहतर रूप में भविष्य में किस प्रकार उपलब्ध कराई जा सकती है?किस प्रकार श्रेष्ठ प्रबंधन किया जा सकता है की जानकारी मिलती है? (24)कुंभ जैसे आयोजनो में महिलाओं, ट्रांसजेंडर, गरीबों और हाशिए पर रहने वाले वर्गों की भागीदारी और उनके अनुभवों पर भी शोध होना चाहिए।(25)महाकुंभ जैसे आयोजनों में डिजिटल,सोशल मीडिया की सकारात्मक भूमिका, संचार प्रबंधन को और सशक्त कैसे बनाया जा सकता है?इस पर कार्य किया जाना चाहिए।(26) यदि संभव हो तो कुंभ के पहले,कुंभ के दौरान और कुंभ के वाद आयोजन स्थल पर हवा, पानी, मृदा पर प्रदूषण की दृष्टि से क्या असर रहा? नदियों के जल (गंगा, यमुना) की क्या स्थिति रही?(27) कितना कचरा जनरेट हुआ? क्या उसमें कमी लाई जा सकती थी?इन प्रश्नों के समाधान इस लिए भी आवश्यक है क्योंकि भारत जैसे देश में इस तरह के विविध आयोजन समय समय पर विविध शहरों में होते ही रहते हैं और जो थोड़ी बहुत असुविधा महाकुंभ में रही उसकी पुनरावृत्ति से आगामी आयोजनों को दूर रखा जा सके तथा आगामी आयोजनों को और बेहतर, और आकर्षक, और सुविधा युक्त बनाया जा सके। विज्ञान तो कभी किसी शोध को अंतिम मान्यता ही नहीं उसके अनुसार हर क्षेत्र में हमेशा शोध, नवाचार और सुधार की संभावना बनी ही रहती है।

डा मनमोहन प्रकाश

'आखिर क्यों पिटती है हमारी पुलिस?'

एक छोटा सा सवाल है कि आखिर देश के हर हिस्से में पुलिस क्यों पिटती है ? क्या देश में जनता को खाकी वर्दी से अब डर नहीं लगता जबकि पुलिस की वर्दी का दूसरा नाम ही खौफ है। मध्यप्रदेश के मऊगंज से लेकर भागलपुर तक और भागलपुर से लेकर जहानाबाद तक पुलिस को पिटते देख ये सोचने पर विवश होना पड़ रहा है कि हिंदुस्तान में आखिर क्या वजह है जो पुलिस का इकबाल मिटटी में मिल गया है ?

सबसे पहले मध्यप्रदेश के मऊगंज की बात करते हैं। मऊगंज में न कोई अबू आजमी है और न किसी औरंगजेब की कब्र ,लेकिन यहां जो बवाल हुआ उसमें एक पुलिस कर्मी की मौत हो गयी और अनेक घायल हो गए। मध्य प्रदेश के मऊगंज जिले के गड़रा गांव में दो गुटों के बीच झगड़े की कीमत पुलिस को चुकानी पड़ी। पुलिसकर्मियों के झड़प ने ऐसा स्वरूप लिया कि एक एएसआई रामचरण गौतम की जान चली गई। वहीं तहसीलदार समेत कई पुलिसकर्मी गंभीर रूप से घायल हुए हैं।यहां न कोई हिन्दू था और न कोई मुसलमान। पक्षकार आदिवासी थे ,लेकिन वे पुलिस पर भारी पड़े। मुख्यमंत्री डॉक्टर मोहन यादव ने इस घटना की जांच के आदेश दिए हैं।

मध्यप्रदेश में पुलिस कमिश्नर प्रणाली लागू हुए चार साल हो गए हैं ,हालाँकि पुलिस कमीश्नर प्रणाली केवल भोपाल और इंदौर शहर में लागू है लेकिन प्रदेश में पुलिस का इक़बाल बुलंद नहीं हो पाया। कारण ये है कि प्रदेश की पुलिस भ्र्ष्ट होने के साथ ही साम्प्रदायिक और नेताओं की कठपुतली बन गयी है। पुलिस में सिपाही से लेकर पुलिस अधीक्षक तक की पदस्थापना में सियासत का दखल है और नतीजा ये है कि लोग अब पुलिस की वर्दी का न सम्मान करते हैं और न पुलिस से खौफ कहते हैं। अब बात बिहार की कर लेते है। यहां तो पुलिस न सिर्फ पिटती है बल्कि नेताओं के इशारे पर नाचने के लिए भी मजबूर की जाती है, और आखिर में महकमें की प्रताड़ना का शिकार भी पुलिस वाले ही होते हैं। लालू प्रसाद के बेटे तेजप्रताप के इशारे पार होली के दिन नाचने वाले एक सिपाही को आखिर निलंबित कर दिया गया। बिहार में बेखौफ बदमाश पुलिस पर हमला करने से भी बाज नहीं आ रहे। तीन दिनों पहले अररिया जिला के फुलकाहा थाना में तैनात एएसआई (जमादार) राजीव रंजन मल्ल की धक्का-मुक्की में मौत के बाद फिर मुंगेर में मुफस्सिल थाना के एएसआई संतोष कुमार सिंह की धारदार हथियार से हत्या कर दी गई।वे 14 मार्च की रात आपसी विवाद की सूचना पर उसे सुलझाने नंदलालपुर गांव गए थे। जहां बदमाशों ने उन पर हमला कर दिया। इसमें एएसआई संतोष गंभीर रूप से घायल हो गए थे, उनके सिर पर चोट लगी थी।

पंजाब में तो हालत और भी ज्यादा खराब हैं। सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी की राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल ने कहा कि पूरा पुलिस महकमा केजरीवाल की सेवा में लगा हुआ है। पंजाब में कानून व्यवस्था बेहद खराब है।पुलिस के साथ जो व्यवहार मध्यप्रदेश के मऊगंज में हुआ वैसा ही व्यवहार उत्तर प्रदेश के उन्नाव जिले में भी हु। जिले के अजगैन कोतवाली के छेड़ा गांव में 14 मार्च को शराब के नशे में दो भाइयों में विवाद के बाद पथराव हुआ था। पहले आरोपियों के पिता रामस्वरूप की हृदयगति रुकने से मौत हो गई थी। वहीं, पड़ोसी धीरेंद्र की नाक में पत्थर लगने से उसकी मौत हो गई थी। पुलिस आरोपी भाइयों को हिरासत में लेकर जा रही थी तभी कुछ ग्रामीणों ने रास्ता रोक लिया और दोनों आरोपियों को जीप से खींचने का प्रयास किया था।

भारत में पुलिस व्यवस्था बहुत पुरानी है। मुगलों और अंग्रेजों से भी पुरानी। लेकिन मुगलों और अंग्रेजों ने पुलिस व्यवस्था को और मजबूत किया और इसका इकबाल भी बुलंद किया। कोटवार से लेकर कोतवाल तक और आज सिपाही से लेकर महानिदेशक तक का इकबाल होता है ,किन्तु आजादी के बाद देशभक्ति -जन सेवा का ध्येय लेकर बनाई गयी पुलिस या तो जुल्म का पर्याय बन गयी या फिर कालांतर में सत्ता प्रतिष्ठान की कठपुतली। पुलिस बल में समय के साथ सुधार भी हुए लेकिन पुलिस आज भी जनता की जरूरतों से ज्यादा सत्ता प्रतिष्ठान की जरूरतों का ख्याल रखती है। जनता के मन में पुलिस के लिए कोई आदरभाव नहीं है क्योंकि पुलिस अपराधियों, नेताओं और सत्ता रपतिष्ठं के गठजोड़ का एक हिस्सा बनकर रह गयी है।

आपको बता दूँ कि संविधान के तहत, पुलिस राज्यों द्वारा शासित एक विषय है। इसलिए, 29 राज्यों में से प्रत्येक के पास अपने स्वयं के पुलिस बल हैं। केंद्र को कानून और व्यवस्था सुनिश्चित करने में राज्यों की सहायता के लिए अपने स्वयं के पुलिस बलों को बनाए रखने की भी अनुमति है। केवल केंद्र शासित क्षेत्रों में पुलिस केंद्र के अधीन होती है ,पुलिस के आधुनिकीकरण पर बेहिसाब खर्च के बावजूद न पुलिस की मानसिकता बदली और न व्यवहार । आज भी आम आदमी पुलिस से डरता है। आम इंसान यही समझता है कि पुलिस मतलब समस्या को आमंत्रण देना है। पुलिस के प्रति समाज में घृणा है /पुलिस न खुद क़ानून का पालन करती है और न क़ानून का पालन करा पाती है।

मैंने दुनिया के अनेक देशों में पुलिसिंग देखी है । कहीं भारत की पुलिस कुछ आगे है तो कहीं बहुत पीछे। हमारी पुलिस न इंग्लैण्ड की पुलिस बन पायी और न अमेरिका की पुलिस। भारत की पुलिस में राजनीति का दखल इतना बढ़ गया है कि पुलिस अपने विवेक से कोई

काम कर ही नहीं सकती। पुलिस नेताओं के हुक्म की गुलाम बनकर रह गयी है और इसका नतीजा है कि पुलिस पर पूरे देश में हमले हो रहे हैं ,पुलिस कर्मी मारे जा रहे हैं ,लेकिन कोई इसकी जड़ तक नहीं जाना चाहता। सब क्रिया की प्रतिक्रिया तक ही सीमित हैं। पुलिस का इकबाल बुलंद किये बिना पुलिस कर्मियों पर होने वाले हमले रुकने वाले नहीं हैं। पुलिस का व्यवहार बदलना बेहद जरूरी है।

इस समय दुनिया की सबसे ज्यादा आबादी वाले देश भारत में करीब 21.41 लाख पुलिसकर्मी हैं, लेकिन कुल पुलिस फोर्स में महिलाओं का औसत महज 12 प्रतिशत से कुछ ही ज्यादा है। भारत में औसत करीब 646 लोगों पर एक पुलिसकर्मी का बैठता है. हालांकि, इसमें राज्यों के विशेष सशस्त्र पुलिस बल और रिजर्व बटालियन के पुलिसकर्मियों की संख्या भी शामिल है। कुछ राज्यों में पुलिस के पास अपना वाहन या स्पीडगन नहीं है तो कुछ पुलिस स्टेशनों में वायरलेस या मोबाइल फोन तक नहीं है।

पुलिस अनुसन्धान एवं विकास ब्यूरो के आंकड़ें बताते हैं कि राज्यों में मिलाकर 27.23 लाख पदों में से कुल 5.82 लाख से ज्यादा पुलिसकर्मियों के पद खाली हैं। इनमें सबसे ज्यादा सिविल पुलिस के 18.34 लाख में से 4 लाख पद खाली हैं। सिविल पुलिस ही थाना क्षेत्रों में गश्त करने, मौका-ए-वारदात पर पहुंचने, किसी केस की छानबीन करने और कानून-व्यवस्था संभालने का का काम करती है। इसके अलावा, देश में जिला सशस्त्र रिजर्व पुलिस बल के 3.26 लाख पदों में करीब 87 हजार पद खाली हैं. वहीं, राज्य विशेष सशस्त्र बल के 3.95.लाख पदों में से 63 हजार और रिजर्व बटालियन के 1.69 लाख पदों में से 28.5 हजार पद भरे नहीं जा सके। सरकारों का बस चले तो वो पुलिस में भी संविदा पर भर्तियां कर दे।

राकेश अचल

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक रवि कुमार अवस्थी द्वारा अनवर ऑफसेट एम्- 58, 59 बेसमेंट विकासदीप बिल्डिंग स्टेशन रोड लखनऊ से मुद्रित ई-4 सेक्टर-एम/29 अपोजिट उष्मान एन्क्लेव अलीगंज लखनऊ 226024 से प्रकाशित **संपादक-राजीव कुमार शुक्ल,** मो0- 7499472288
E-Mail: news@swatantraprabhat.com, RNI No: UPHIN/2019/79073 इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारो के चयन एवं संपादन हेतु पी आर बी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। किसी भी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा न्यायलय जनपद लखनऊ ही होगा।

संक्षिप्त ख़बरें

गिरोह के सरगना समेत चार पर लगा गैंगस्टर एक्ट, हरियावा पुलिस ने एक को किया गिरफ्तार

पिहानी कोतवाली क्षेत्र में सक्रिय एक संगठित अपराधी गिरोह पर कानून का शिकंजा कस दिया गया है। पिहानी कोतवाल विद्यासागर पाल ने गैंग के सरगना सहित चार लोगों पर गैंगस्टर एक्ट की कार्रवाई की है।

पुलिस की ओर से जारी रिपोर्ट के मुताबिक खालिद खां पुत्र बुद्धा निवासी नेदुरा थाना हरियावा अपने तीन साथियों के साथ आर्थिक व भौतिक लाभ लेने के उद्देश्य से समाज विरोधी क्रिया कलापों में लिप्त है। पुलिस के अनुसार इस गिरोह की गतिविधियों से आमजन में भय और दहशत का माहौल है। कुछ महीने पहले खालिद खां एक मुकदमे में जेल से जमानत पर आया है। जनता में इतनी दहशत है कि कोई भी व्यक्ति इनके विरुद्ध शिकायत दर्ज कराने या गवाही देने का साहस नहीं करता। आरोपियों की आपराधिक प्रवृत्ति को देखते हुए गिरोह बंद एवं समाज विरोधी क्रिया कलाप निवारण अधिनियम, 1986 के तहत कार्रवाई की गई है। खालिद खां पर पिहानी थाने में आपराधिक इतिहास भी है। रंगदारी लूट जैसे संगीन दो मुकदमे दर्ज हैं। हरियावां थाना अध्यक्ष बालेंद्र मिश्रा ने बताया कि पिहानी कोतवाली में मुकदमा दर्ज होने की वजह से खालिद खान को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार करने वाली टीम में थाना अध्यक्ष बालेंद्र मिश्रा, कांस्टेबल शैलेंद्र कुमार व लोकेश सैनी रहे।

जिलाधिकारी ने किया अटल चौक का निरीक्षण

हरदोई। जिलाधिकारी मंगला प्रसाद सिंह ने 20 मार्च को होने वाले अटल चौक के उद्घाटन की तैयारियों का जायजा लिया। जिलाधिकारी ने कहा चौक की साफ सफाई करा ली जाए। चौक पर अच्छे प्रकाश की व्यवस्था की जाए ताकि रात्रि में चौक देखने पर आकर्षक लगे। उदघाटन के पूर्व चौक को अच्छी तरह से सजाया जाए। चौक के पास रंगोली बनवायी जाए। विधि विधान से चौक का उद्घाटन कराया जाये। इस अवसर पर जिला सूचना अधिकारी संतोष कुमार, सहायक अभियंता अनमोल कुमार व अवर अभियंता अशोक कुमार आदि उपस्थित रहे।

कृषको को अवशेष कृषक अंश जमा करने हेतु दिया जायेगा 14 दिन का अतिरिक्त समय

हरदोई उप निदेशक कृषि डॉ0 नन्द किशोर ने बताया है कि प्रधानमंत्री किसान उर्जा सुरक्षा एवं उत्थान महाअभियान (पी0एम0 कुसुम) योजना वित्तीय वर्ष 2024-25 के अन्तर्गत जिन कृषकों के द्वारा विभिन्न क्षमता वाले सोलर पम्प की बुकिंग विभागीय वेबसाइट पर की गयी है। उनकी बुकिंग भी कन्फर्म कर दी गयी थी एवं बुकिंग किये जाने वाले पंजीकृत मोबाइल नम्बर पर पोर्टल के माध्यम से मैसेज भी प्रेषित कर दिया गया था। किन्तु ऐसे कृषक जो किन्हीं कारणों से अवशेष कृषक अंश की धनराशि जमा नहीं कर पाये है उनके लिये पुनः कृषक अंश जमा करने की समय-सीमा बढाई जा रही है। उन कृषको को अवशेष कृषक अंश जमा करने हेतु 14 दिन का अतिरिक्त समय दिया जायेगा एवं उनके पंजीकृत मोबाइल पर पुनः मैसेज भेजा जायेगा कि टोकन जनरेट कर धनराशि बैंक में ऑफलाइन या ऑन लाइन जमा कर दे । यदि किसी अनजान व्यक्ति द्वारा अवशेष कृषक अंश धनराशि जमा करने हेतु कृषकों को फोन किया जाता है अथवा अधिक छूट देने की बात कही जाती है तो कृषक भाई उनके बहकावे में न आये । सोलर पम्प की बुकिंग कन्फर्म कराने की प्रक्रिया पूर्णतया पारदर्शी एवं ऑनलाइन है। सोलर पम्प सम्बन्धी धोखाधडी से बचने के लिये एवं सोलर पम्प सम्बन्धी जानकारी प्राप्त करने हेतु विकासखण्ड स्तर पर राजकीय कृषि बीज भण्डार एवं जनपद स्तर पर उप कृषि निदेशक, निकट बिलग्राम चुंगी हरदोई कार्यालय में सम्पर्क करे ।

स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण समिति एवं गोवर्धन सेल की बैठक 18 मार्च को:-विनय कुमार

हरदोई। जिला पंचायत राज अधिकारी विनय कुमार सिंह ने बताया है कि स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण के कार्यान्वयन हेतु जिला स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण समिति एवं गोवर्धन सेल की बैठक जिलाधिकारी महोदय की अध्यक्षता में 18 मार्च 2025 को सायं 04 बजे स्वामी विवेकानंद सभागार कलेक्टेऊट में आहूत की गयी है। उन्होने संबंधित मा0 ब्लाक प्रमुख, ग्राम प्रधन एवं अधिकारियों से कहा है कि उक्त बैठक में निर्धारित तिथि एवं समय पर प्रतिभाग करना सुनिश्चित करें।

बेखौफ चोरों ने दो घरों को बनाया निशाना लाखों की जेवरात सहित नगदी लेकर हुए फरार

....दोनों घरों में एक ही जैसी घटना ग्रामीणों का शक दोनों घटनाओं में एक ही गैंग का हाथ

स्वतंत्र प्रभात

निगोहां। निगोहां थाना क्षेत्र की ग्राम पंचायत दयालपुर गांव में बीती रात बेखौफ चोरों ने दो घरों को निशाना बनाया पवन कुमार उर्फ दीपू बाजपेई के घर में धावा बोलकर लाखों की जेवरात समेत नगदी लेकर चोर रफू चक्कर हो गए वहीं दूसरी घटना सुनील भारती के यहां घर में कुंडी काटकर अंदर जाकर चोरों ने लूटपाट करी इस समय होली का त्यौहार है ऐसे में ज्यादातर लोग अपने-अपने रिश्तेदार प्रिय जनों के यहां मिलने जाते हैं ऐसी स्थिति में घर छोड़कर जाने में अब ग्रामीणों को डर महसूस हो रहा है पुलिस प्रशासन के लाख कोशिशें के बावजूद चोरों पर अंकुश लगाने में कामयाबी नहीं मिल सकी है ऐसे में ग्रामीणों में काफी रोश व्याप्त है किसान पवन कुमार उर्फ दीपू बाजपेई ने बताया कि हम बाहर लखनऊ अपने काम पर थे वही मेरी पत्नी किरण दो दिनों से अपने मायके गई थी सुबह जब परिवार में छोटे भाई पंकज ने मेरे घर की तरफ देखा तो दरवाजे की कुंडी टूटी हुई पड़ी थी अंदर जाकर देखा तो सारा सामान इधर-उधर बिखरा पड़ा था गोदरेज की अलमारी बख्शा सहित सभी के तालों को काटकर सारा सामान गायब देखकर घर वालों के होश दंग रह गए दूसरी तरफ सुनील कुमार भारती ने बताया कि मेरे छोटे भाई की अचानक तबीयत खराब हो गई थी जिसको लेकर हम लोग अस्पताल गए हुए थे घर पर सिर्फ बहनें थी जो दूसरे मकान में थी सुबह जब सो कर उठी तो मेरे घर का ताला टूटा हुआ देखकर एवं सामान बिखरा पड़ा देखकर मुझे सूचना दी इसके बाद पता चला की मौके से सारे जेवरात एवं नगदी लेकर चोर फरार हो गए दोनों चोरी एक ही एंगल से एक ही तरीके से की गई है ग्राम प्रधान के द्वारा पुलिस को सूचना दी गई पुलिस जांच पड़ताल में जुटी हुई है प्रभारी निरीक्षक अनुज तिवारी ने बताया तहरीर मिल गई है अज्ञात चोरों के खिलाफ मुकदमा पंजीकृत कर आगे की कार्यवाही की जा रही है।

राष्ट्रीय सेवा योजना जीवन जीने की कला है : डाक्टर सुधाकर प्रकाश वर्मा

स्वतंत्र प्रभात

बिसवां, सीतापुर। तहसील क्षेत्र के बृजमोहन लाल शकुंतला देवी इंटर कॉलेज, मझिगंवा, बन्नी-खरेला, में राष्ट्रीय सेवा योजना (NSS) के अंतर्गत विशेष सात दिवसीय शिविर के तीसरे दिन स्वयंसेवकों ने चयनित गांव के विद्यालय परिसर में श्रमदान कर स्वच्छता अभियान चलाया। इसके साथ ही, ग्रामीणों को सफाई के प्रति जागरूक करने के लिए डोर-टू-डोर अभियान चलाया गया। दोपहर भोजन के उपरांत कार्यक्रम अधिकारी सतीश चंद वर्मा एवं पुष्पेंद्र के मार्गदर्शन में स्वयंसेवकों ने स्वच्छता रैली निकाली, जिसमें गांव के बच्चों ने भी बढ़-चढ़कर भाग लिया। सायंकाल चाय-बिस्कुट के उपरांत शिविर परिसर में सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें सभी स्वयंसेवकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. बिंद्रा प्रसाद धूरिया, अध्यक्ष, बी.एल.एस.डी. इंटर कॉलेज, मझिगंवा, ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना (हस्स) न केवल युवा वर्ग में सेवा और सहयोग की भावना विकसित करती है, बल्कि व्यक्तित्व निर्माण एवं सामाजिक समरसता को भी प्रोत्साहित करती है। हस्स का दर्शन मैं नहीं, तू इस विचारधारा को प्रोत्साहित करता है कि व्यक्ति का कल्याण अंततः पूरे समाज के कल्याण पर निर्भर करता है। विद्यालय के प्रधानाचार्य श्री दिवाकर प्रकाश ने स्वयंसेवकों को प्रेरित करते हुए कहा कि एन.एस.एस. के माध्यम से छात्र शिक्षा के साथ-साथ समाज सेवा को अपनाकर अपने व्यक्तित्व को निखार सकते हैं। वहीं, विद्यालय के प्रबंधक डॉ. सुधाकर वर्मा ने राष्ट्रीय सेवा योजना की उपयोगिता और सामाजिक प्रभाव पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह योजना ग्रामीण अंचल के युवाओं को न केवल समाज सेवा के लिए प्रेरित करती है, बल्कि उनमें जिम्मेदारी और नेतृत्व क्षमता का विकास भी करती है। इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य दिवाकर प्रकाश, उप प्रधानाचार्य सतीश चंद्र वर्मा, शिक्षकगण जितेंद्र कुमार, सुमन वर्मा, राकेश वर्मा, कमलेश कुमार, पुष्पेंद्र, विवेक अवस्थी, राहुल वर्मा, अदीप त्रिपाठी, देवेंद्र मिश्रा , लवकुश वर्मा, शशिकांत गुप्ता, विकास कुमार तथा शिक्षिकाएं मोहिनी वर्मा, रोली वर्मा, रूही बानो, मीनाक्षी, गुंजन, शिखा वर्मा एवं क्षेत्र के गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

हेल्थ एंड वेल्थनेस सेंटर गौरा कोथावां अपनी जर्जर हालात पर बहा रहा आंसू, जिम्मेदार मूकदर्शक

स्वतंत्र प्रभात

कछौना, हरदोई। स्वास्थ्य विभाग ने ग्रामीण क्षेत्र में बेहतर स्वास्थ्य लाभ के लिए सरकार ने लाखों रुपए की धनराशि खर्च की है, परंतु जमीनी स्तर पर योजनाओं का सही ढंग से क्रियान्वयन न होने व अभिभागीय अधिकारियों की खाऊ-कमाऊ नीति के चलते हेल्थ एंड वेल्थनेस सेंटर जर्जर अवस्था पर केन्द्र में भूसा भरने व जानवर बांधने के कार्य किए जा रहे हैं। विकासखण्ड कोथावां की ग्राम सभा गौरा (कोथावां) तस्वीर बयां कर रही है। यहां पर स्वास्थ्य कर्मी हमेशा नदारद रहते हैं। गर्भवती वापस व प्रसूता महिलाओं व बच्चों के बेहतर स्वास्थ्य, उचित देखभाल, जागरूकता व टीकाकरण व दवाई उपलब्ध कराए जाने हेतु यह सेण्टर स्थापित किए गए हैं। इस हेल्थ वेल सेंटर पर सीएचओ कम्युनिटी हेल्थ ऑफिसर की नियुक्ति की गई। अधिकारियों का नियमित रूप से स्वास्थ्य कर्मियों को न आने से यह केंद्र शोपीस बने हैं। विकासखंड कोथावां का गौरा आयुष्मान वेलनेस सेंटर अपनी दुर्दशा की तस्वीर बयां कर रहा है। चंद दिनों पहले बना केंद्र जर्जर हालत में हैं। दरवाजे व खिड़कियां टूट गई है। जगह-जगह कूड़े के ढेर लगे हैं। कमरों में भूसा भरा है। गंदगी अंबार है। परिसर में कूड़े के ढेर पड़े हैं। केंद्र स्वयं बीमार है। वहीं सरकार गांव-गांव बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने का ढ़िढोरा पीट रही है। अखिर जिम्मेदार अधिकारियों के नियमित पर्यवेक्षण के बावजूद इस केंद्र की यह हालत क्यों है? ग्रामीणों ने कहा यहां कोई स्वास्थ्य कर्मी नहीं आता है। पूरे मामले पर जिला मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर रोहताश कुमार ने बताया केंद्र की जांच करके दोषी लोगों पर ठोस कार्यवाई की जाएगी।

औद्योगिक क्षेत्र के विस्तार की कार्य योजना की सुगबुगाहट, क्षेत्रीय किसानों ने विभिन्न मांगों को लेकर की बैठक

स्वतंत्र प्रभात

कछौना, हरदोई। औद्योगिक क्षेत्र संडीला में विस्तार की कार्य योजना को लेकर किसानों ने बैठक कर विभिन्न मांगों को लेकर किसानों की भूमि का आवासीय भूमिका उचित मुआवजा, परिवार के एक व्यक्ति को सरकारी नौकरी, जिस तरह से प्राइवेट कंपनियां बैनामे करा रही है। उसी के आधार पर सर्किल रेट आदि मांगों को लेकर रणनीति बनाई। बताते चले संडीला का औद्योगिक क्षेत्र राजधानी लखनऊ के निकट होने के कारण उद्यमियों का पसंदीदा क्षेत्र बन गया है, जहां पर नामी गिरामी कंपनियां बर्जर, हल्दीराम, आईटीसी आदि कंपनियां अपने उद्योग स्थापित कर रही है। सरकार द्वारा बेहतर सुविधा उपलब्ध कराए जाने के कारण उद्यमियों का बेहतर हब बन गया है। लेकिन वर्तमान समय में भूमि की उपलब्धता की कमी के कारण यू0पी0 सीड़ा ने औद्योगिक क्षेत्र का विस्तार करने की कार्य योजना बनाई है। जिस संबंध में मिली जानकारी के अनुसार ग्राम सभा रैंसों, जमसारा, बघुआमऊ, समोधा के किसानों की 750 एकड़ भूमि अधिग्रहण की जाएगी। जिससे लगभग दो हजार किसानों के परिवार प्रभावित होंगे। उनके कई पीढ़ियां के पूर्वजों की गाड़ी कमाई से अर्जित भूमि के अधिग्रहण से दूर हो जाएगी। किसानों के सामने आर्थिक जीविकोपार्जन का संकट खड़ा हो जाएगा। इस समय क्षेत्र की भूमिका की कीमत काफी कम है। किसानों के पुनः स्थापित होने का संकट खड़ा हो जाएगा। किसानों ने अपनी मांगों को लेकर शासन प्रशासन से गुहार लगाई। न्याय न मिलने पर कोर्ट की शरण में जाने को विवश है। इस अवसर पर किसान अमनदीप सिंह, बिक्रमजीत सिंह, धर्मेंद्र सिंह, मुकेश सिंह, सलीम, मोहम्मद इदरीश सहित दूर-दराज के सैकड़ो किसानों ने प्रतिभाग किया।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में हुई सीएम डैशबोर्ड की बैठक

स्वतंत्र प्रभात

हरदोई आज विवेकानंद सभागार में जिलाधिकारी मंगला प्रसाद सिंह की अध्यक्षता में सीएम डैशबोर्ड की प्रगति की समीक्षा बैठक हुई। जिलाधिकारी ने कहा कि विभागीय योजनाओं से सम्बंधित डाटा को पोर्टल पर ससमय फीड कराया जाये। निर्माण कार्यों में समय व गुणवत्ता का पूरा ध्यान रखा जाये। डैशबोर्ड रैंकिंग की नियमित निगरानी की जाये। बैठक में उपनिदेशक मंडी परिषद की अनुपस्थिति पर उन्होंने कड़ी नाराजगी जतायी। निर्माणाधीन आयुष हॉस्पिटल की धीमी प्रगति पर उन्होंने सहायक अभियंता यूपीपीसीएल को कड़ी फटकार लगायी। श्रम विभाग की ख़राब श्रेणी व बैठक में अनुपस्थिति पर नाराजगी जताते हुए इस सम्बन्ध में मंडलायुक्त व प्रमुख सचिव श्रम को रिपोर्ट प्रेषित करने व प्रतिकूल प्रविष्टि देने के निर्देश दिए। प्रधानमंत्री आवास योजना के सर्वे के उपरांत सूची को पंचायत भवन, विकास खण्ड कार्यालय, विकास भवन में चस्पा किया जाये तथा एक सप्ताह में आपत्तियाँ आमंत्रित की जाएं। निर्माण कार्यों की समीक्षा के दौरान उन्होंने कहा कि निर्माण कार्यों में तेजी लाते हुए समय से पूरा किया जाये। समय से कार्य न पूरा करने पर सम्बंधित कार्यदायी संस्था के ऊपर पेनाल्टी लगाने के लिए शासन को संस्तुति की जाये। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी सौम्या गुरूरानी व अन्य सम्बंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

जिला अध्यक्ष डॉ राजेंद्र कुमार मौर्य द्वारा होली मिलन समारोह का किया गया आयोजन

स्वतंत्र प्रभात

बिसवां / सीतापुर। कांग्रेस पार्टी के आर टी .आई. विभाग के जिला अध्यक्ष डॉक्टर राजेंद्र कुमार मौर्य द्वारा एक होली मिलन समारोह का आयोजन रविवार को मोहल्ला मुराऊ टोला में किया गया। जिसमें सभी लोगों ने एक दूसरे से गले मिलकर एक दूसरे को होली की बधाई दी। कार्यक्रम में आर टी .आई. विभाग के प्रदेश अध्यक्ष पुष्पेंद्र श्रीवास्तव ने अपने संबोधन में कहा कि कांग्रेस पार्टी की विचारधारा सभी पार्टियों से अलग है।यह पार्टी सभी धर्मो जातियों गरीबों को एक साथ लेकर चलने वाली पार्टी है। उन्होंने सभी क्षेत्रवादी पर्टीयो की भी जमकर आलोचना की और कहा कि आगे आने वाले समय में कांग्रेस पार्टी एक बार पुन अपनी सरकार बनाएगी। अध्यक्ष का स्वागत डॉक्टर राजेंद्र कुमार मौर्य प्रदेश सचिव रजनीश मिश्रा नगर अध्यक्ष अमर मेहरोत्रा द्वारा अंग वस्त्र देकर व माल्यार्पण कर किया गया। कार्यक्रम में जनपद सीतापुर की आर टी आई विभाग के नए पदाधिकारी को मनोनयान पत्र भी सौंपे गए। इस अवसर पर आर टीआई विभाग के पदाधिकारी मंसूर अली सलमानी राम आशीष मौर्य राजेश कुमार व बिसवां बार एसोसिएशन के अध्यक्ष कमलेद्र बाजपेयी सहित काफी संख्या में लोग मौजूद रहे।

नमाज़े तरावीह में मुकम्मल हुई क़ुरान, बारगाहे इलाही में अमन व शांति की मांगी दुआ

स्वतंत्र प्रभात

सीतापुर। माहे रमजान का पवित्र महीना चल रहा है। जो मुस्लिम समाज के लिए बहोत ही महत्वपूर्ण है। इसी महीने में मोहम्मद साहब पर पूरा कुरान अवतरित हुआ है। जिसे मुसलमानों के द्वारा रमज़ान के महीने में ईशा की नमाज़ के साथ तरावीह की नमाज़ अदा करते है। जिसे हाफ़िज़ ए कुरान के द्वारा पूरा क़ुरान मुकम्मल सुनाया जाता है। ऐसे में कहीं पांच, कहीं सात तो कहीं दस तो कहीं 15 दिन में मस्जिदों में तरावीह मुकम्मल कराई जा रही है। वहीं किसी मस्जिद में पूरे माह तरावीह पढ़ाई जा रही है। इसी क्रम में पुराने सीतापुर के मोहल्ला मिरदही टोला की जामा मस्जिद में सोल्हवें रमजान को तरावीह मुकम्मल हुई। जिसके बाद पेश इमाम क़ारी व हाफिज मो0 इरफान शहजाद ने नमाज़ के बाद अल्लाह की बारगाह में दुआएं मांगी। तरावीह मुकम्मल होने पर नमाजियों ने पेश इमाम का जोशो खरोश के साथ स्वागत किया और अंगवस्त्र पहनाया और मुसाफा कर गले मिले। वहीं नमाज़ियों के द्वारा अपनी इच्छा के अनुसार हाफिज व क़ारी साहब को इनामात से नवाज़ते हुए हौसला अफ़ज़ाई की। इस मौके पर एहतिशाम बेग उर्फ अच्छे, प्यारे भाई, मास्टर आरिफ शमीम, जुबैर अहमद, शुऐब अहमद, तारिक़ खान, इमरान जामील आदि के साथ सैकड़ो नमाज़ी मौजूद रहे।

सम्पूर्ण समाधान दिवस पट्टी में डीएम एवं एसपी ने सुनी शिकायतें, छः मामलों का मौके पर किया निस्तारण

स्वतंत्र प्रभात

प्रतापगढ़। जिलाधिकारी शिव सहाय अवस्थी की अध्यक्षता में तहसील पट्टी में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। पट्टी तहसील सम्पूर्ण समाधान दिवस में कुल 160 फरियादी अपनी समस्याओं के निस्तारण हेतु उपस्थित हुये, जिनमें से राजस्व विभाग की 05 एवं विकास विभाग की 01 शिकायत का मौके पर निस्तारण कर दिया गया। सम्पूर्ण समाधान दिवस में कुल प्राप्त 160 शिकायतों में से 86 शिकायतें राजस्व विभाग से, पुलिस विभाग से 26, विकास विभाग से 12, समाज कल्याण विभाग से 03, शिक्षा से 02, स्वास्थ्य विभाग से 01 एवं 30 अन्य विभागों से सम्बन्धित शिकायते प्राप्त हुई। पुलिस विभाग से सम्बन्धित शिकायतों को पुलिस अधीक्षक डा0 अनिल कुमार एवं विकास विभाग से सम्बन्धित शिकायतों को मुख्य विकास अधिकारी डा0 दिव्या मिश्रा द्वारा सुनी गयी। जिलाधिकारी ने सम्पूर्ण समाधान दिवस में अधिकारियों को निर्देशित किया कि जिन-जिन विभागों से दो या उससे कम शिकायतें आयी है वह सम्पूर्ण समाधान दिवस के उपरान्त मौके पर जाकर शिकायतों का निस्तारण करायें। उन्होने अधिकारियों को निर्देशित किया कि शासन की मंशा अनुरूप शिकायतों का निस्तारण प्राथमिकता के आधार पर गुणवत्तापूर्ण ढंग से ससमय किया जाय ताकि जनता को त्वरित और प्रभावी समाधान मिल सके। शिकायतों के निस्तारण में किसी भी तरह की लापरवाही न बरती जाय। उन्होने निर्देशित किया कि सम्पूर्ण समाधान दिवस में आये जमीनी विवादों के शिकायतों को राजस्व और पुलिस टीम द्वारा मौके पर जाकर बिना किसी पक्षपात के उन शिकायतों का निस्तारण गुणवत्तापूर्ण ढंग से किया जाय। कोई भी गरीब व्यक्ति किसी कल्याणकारी योजनाओं से वंचित न रहने पाये, इसका विशेष ध्यान दिया जाये। इस अवसर पर उपजिलाधिकारी पट्टी तनवीर अहमद, मुख्य चिकित्साधिकारी डा0 ए0एन0 प्रसाद, परियोजना निदेशक डीआरडीए दयाराम यादव सहित जनपद स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

डीएम का अवैध खनन पर कड़ा प्रहार, सोमवार तड़के सात बजे खुद संभाली कमान कई अवैध खनन गतिविधियों का हुआ पर्दाफाश

स्वतंत्र प्रभात

गोण्डा । जिले में अवैध खनन के खिलाफ प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई करते हुए सुबह तड़के छापेमारी अभियान चलाया। खुद जिलाधिकारी नेहा शर्मा ने इस ऑपरेशन की अगुवाई की, जिसमें कई अवैध खनन गतिविधियों का पर्दाफाश हुआ। डीएम के नेतृत्व में चली इस कार्रवाई में दो ट्रैक्टर-ट्रॉली जब्त की गई, जबकि एक गांव में 100 घनमीटर अवैध बालू का भंडारण पकड़ा गया।डीएम के निर्देश पर उपजिलाधिकारी तरबगंज ने यह प्रवर्तन अभियान चलाया। ट्रैक्टर-ट्रॉली को जांच के दौरान पकड़ा गया। मौके पर मौजूद वाहन स्वामी राजकुमार और चालक मनोज कुमार से वैध खनन परिवहन पास मांगा गया, लेकिन वे दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सके। जांच में पाया गया कि इस ट्रैक्टर-ट्रॉली में 5.72 घनमीटर बालू लोड था। नियमानुसार इस वाहन को उमरीबेगमगंज में जब्त कर लिया गया।छापेमारी के दौरान प्रशासन ने ग्राम ऐली परसोली, तहसील तरबगंज में प्रधान मनिराम यादव के ठिकाने पर भी जांच की। वहां 100 घनमीटर अवैध रूप से संचित बालू पाया गया। ग्राम प्रधान ने सफाई दी कि यह बालू गांव में इंटरलॉकिंग सड़क निर्माण के लिए लाया गया है, लेकिन वैध दस्तावेज न होने के कारण प्रशासन ने खनन विभाग (EMMII) को रिपोर्ट सौंपने और आवश्यक जांच के निर्देश दिए। इसी अभियान में प्रशासन ने एक अन्य ट्रैक्टर-ट्रॉली वाहन संख्या UP 43 T 2460 को भी पकड़ा। इस वाहन में लगभग 30 घनमीटर बालू लोड था, लेकिन चालक अनिल कुमार निवासी सुभागपुर, थाना कौड़िया के पास वैध अभिवहन पास नहीं था।इसके अलावा, जांच के दौरान राहुल सिंह (निवासी अनभुला, भाग नकंवा, गोंडा) भी अवैध खनन गतिविधियों में संलिप्त पाए गए। प्रशासन ने इन सभी के खिलाफ खनिज नियमावली 2021 के नियम 72(1) तथा खनिज (विकास एवं विनियमन) अधिनियम 1957 की धारा 4 एवं 21 के तहत कार्रवाई की।पकड़े गए सभी वाहनों को नियमानुसार जब्त कर उमरीबेगमगंज में जिलाधिकारी की निगरानी में रखा गया है। अब ये वाहन अदालत के आदेश तक प्रशासन की अभिरक्षा में रहेंगे। इस बड़ी कार्रवाई के बाद जिलाधिकारी नेहा शर्मा ने स्पष्ट संदेश दिया कि जिले में अवैध खनन किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि आगे भी इस तरह के औचक निरीक्षण और छापेमारी अभियान जारी रहेंगे, ताकि खनन माफियाओं पर पूरी तरह लगाम लगाई जा सके। जांच से जुड़ी संपूर्ण रिपोर्ट खनन विभाग को भेज दी गई है, ताकि विधिक प्रक्रिया को आगे बढ़ाया जा सके।

कार्यालय ग्राम पंचायत विहारी पुर अब्दुल रहमान ब्लॉक भदपुरा बरेली

निविदा सूचना

ग्राम पंचायत बिहारीपुर अब्दुल रहमान में मनरेगा के तहत समुदाय के लिए खाद्यान् भंडारण निर्माण अनुमानित लागत 875000.00रूहै
देवस्थान से लेखराज मौर्य के घर तक सीसी रोड निर्माण अनुमानित लागत367803.00रू है निर्माण हेतु पंजीकृत फर्मो से निविदा आमंत्रित की जाती है जो दिनांक 21/3/2025 को निविदा दाताओं के समक्ष खोली जाएगी निर्माण स्थल पर आपूर्ति ईंट सरिया सीमेंट रेता बजरी आदि है इसकी सूचना ग्राम पंचायत कार्यालय पर उपलब्ध है जिसे किसी भी कार्य दिवस में देखा जा सकता है

गायत्री देवी
ग्राम प्रधान
ग्राम पंचायत बिहारीपुर अब्दुल रहमान
ब्लॉक भदपुरा बरेली

नरेश सागर
सचिव
ग्राम पंचायत बिहारीपुर अब्दुल रहमान
ब्लॉक भदपुरा बरेली

संक्षिप्त ख़बरें

घटना दर घटनाओं से थर्राया संदीपन घाट थाना क्षेत्र आखिर क्या वजह जो दागी

कौशाम्बी। जनपद के संदीपन घाट थाना क्षेत्र के महगांव में युवक पर जानलेवा हमला करने की घटना ने पूरे क्षेत्र में डर का माहौल पैदा कर दिया है। मामूली विवाद के चलते हुई इस वारदात में घायल युवक की मौके पर ही मौत हो गई। आरोपी युवक घटना को अन्जाम देकर मौके से फरार हो गये। पुलिस के पहुँचने पर पूरी स्थिति साफ हो पाई, और मामले की जाँच शुरू की गयी। हालाँकि, इस घटना ने पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हैं, क्योंकि आरोपी युवक कथित तौर पर हिस्ट्रीशीटर हैं और स्थानीय थानेदार के साथ उनके गहरे सम्बन्ध हैं। जो यह दर्शाता है कि प्रशासनिक ढांचे में गम्भीर अनियमितताएँ हैं। थानेदार पर व्यापारियों और स्थानीय अपराधियों के साथ सांठगांठ करने के आरोप लग रहे हैं, जिससे स्थानीय लोगों में आक्रोश और असुरक्षा का माहौल पैदा हो गया है। जनता पुलिस से सख्त कार्रवाई की मांग कर रही है।

आज एक दिवसीय रोजगार मेले का आयोजन आई0टी0आई,सिराथू में

कौशाम्बी। जिला सेवायोजन अधिकारी गौतम घोष द्वारा अवगत कराया गया कि दिनांक-18 मार्च 2025 को राजकीय आई0टी0आई,सिराथू के परिसर में एक दिवसीय रोजगार मेले का आयोजन किया जायेगा, जिसमें निजी क्षेत्र की कम्पनियों के माध्यम से चयन की कार्यवाही की जायेगी। इच्छुक अभ्यर्थी प्रातः 10.30 बजे प्रतिभाग कर रोजगार प्राप्त कर सकते हैं।

मारपीट के पुराने मामले में चार अभियुक्तों को तीन-तीन वर्ष की हुई कारावास

कौशाम्बी। जनपद के मंझनपुर थाना अन्तर्गत मारपीट के पुराने मामले दिनांक 30/12/1997 को मारपीट के सम्बन्ध में मुकदमा संख्या 259/97 धारा 323/ 324/ 326/ 308/ 504/ 506 भादवि पंजीकृत पंजीकृत किया गया था जिससे सम्बन्धित चार अभियुक्तों पर प्रभू पासी पुत्र सुखलाल, देवराज, रामराज, मोहनलाल पुत्रगण पितई पासी निवासीगण बरातफारीक थाना मंझनपुर जनपद कौशाम्बी को आज दिनांक 17/03/ 2025 को न्यायालय एडीजे/एफटीसी प्रथम जनपद कौशाम्बी द्वारा शासन की प्राथमिकता के आधार पर गम्भीर एवं जघन्य अपराधों में पैरवी कर अभियुक्तों को सजा दिलाने के क्रम में पुलिस अधीक्षक कौशाम्बी बृजेश कुमार श्रीवास्तव के निर्देशन में मनीटरिंग सेल के माध्यम से प्रभावी पैरवी करते हुए प्रत्येक अभियुक्त को तीन-तीन वर्ष की कारावास तथा 4500-4500 के अर्थ दण्ड से दण्डित किया गया।

बाइक हुई अनियन्त्रित ,सड़क पर गिरे मासूम पुत्र और पिता दोनों जख्मी

अझुवा कौशाम्बी। सैनी कोतवाली भैरावां गांव के समीप टांडा रोड पर बाइक सवार पिता व उसका मासूम पुत्र जख्मी हालत में पाए गए , उधर से गुजर रहे लोगों ने देखा तो पुलिस को सूचना दी सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को इलाज के लिए सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया । बताया जाता है कि फतेहपुर जनपद के सुल्तानपुर घोष थाना के तौरा गांव निवासी अशोक कुमार पुत्र जयचन्द्र 50 वर्ष प्रयागराज में पत्नी व बच्चों के साथ रहकर पेंटिंग का काम करता है , प्रत्यक्षदर्शियों की माने तो अशोक होली पर्व पर बाइक से अपने पांच वर्षीय मासूम पुत्र अभिषेक को लेकर गांव आया था , जिसके बाद आज सुबह दोनों पिता पुत्र सैनी कोतवाली के भैरावां गांव के समीप टांडा रोड पर जख्मी हालत में पाए गए चौकी इंचार्ज जितेंद्र प्रताप सिंह ने बताया बाइक सवार अनियंत्रित होकर सड़क पर गिर गए थे। जिसमें पिता और मासूम पुत्र जख्मी हो गए थे।पुलिस ने घायल पिता को एंबुलेंस की मदद से कड़ा व मासूम अभिषेक को सिराथू के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया है पुलिस के अनुसार दोनों की हालत सामान्य है।

ब्लड बैंक में कार्यरत मेडिकल ऑफिसर की मृत्यु पर मेडिकल कॉलेज में शोक सभा में दी गयी भावभीनी श्रद्धान्जलि

कौशाम्बी। जनपद कौशाम्बी के स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय के ब्लड बैंक में 2016 से मेडिकल ऑफिसर के पद पर ब्लड बैंक में तैनात डॉक्टर राम मनोहर कनौजिया की काफी दिनों से तबियत खराब होने के कारण दिनांक 16 मार्च को मृत्यु हो गई। डॉक्टर राम मनोहर कनौजिया की मृत्यु का समाचार जैसे ही मेडिकल कॉलेज के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को हुई पूरे हॉस्पिटल में शोक की लहर दौड़ गई। डॉक्टर राम मनोहर कनौजिया का स्वभाव मृदुल भाषी था प्रत्येक व्यक्ति के जुबान पर एक ही शब्द रहा डॉक्टर कनौजिया बहुत ही अच्छे व्यक्ति रहे।3.00 बजे प्रधानाचार्य एवं मुख्य चिकित्सा अधीक्षक की उपस्थिति में एक शोक सभा की गई।

विष्णुप्रिया मणिपुरी भाषा शहीद सुदेश्ना की 30वीं पुण्यतिथि के मौके पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ सम्मानपूर्वक धूमधाम से श्रीभूमि जिले में मनाया गया

स्वतंत्र प्रभात

असम श्रीभूमि। भाषा शहीद सुदेश्ना सिन्हा विष्णुप्रिया मणिपुरी भाषा आन्दोलन में जान दे दी। इस दिन, असम के बराक घाटी में विष्णुप्रिया मणिपुरी लोगों की भाषा को मान्यता देने वाले शहीद सुदेश्ना सिन्हा थी÷ 16 मार्च, 1996 को वह विष्णुप्रिया मणिपुरी भाषा आन्दोलन के लिए शहीद हुई। आन्दोलन÷ असम के बराक घाटी में विष्णुप्रिया मणिपुरी लोगों के लंबे भाषा आन्दोलन के इतिहास में यह दिन एक स्मरणीय दिन है। वह शहीद हुई जब असम श्रीभूमि जिले के पाथारकांदी के कलकलिघाट रेलवे स्टेशन पर लालफामिर की रैली में आंदोलन के वक्त पुलिस ने गोली चला दी इसी कारण आंदोलन में उनकी मौत हो गई, विष्णुप्रिया मणिपुरी भाषा के लिए अपनी जान दी। आज 16 मार्च (रविवार) इस शहीद दिवस के मौके पर सुदेश्ना सिन्हा वेदी पर विष्णुप्रिया मणिपुरी समाज के लोगों ने एक-एक कर श्रद्धांजलि अर्पित की और विधायक विजय मालाकार ने प्रणाम निवेदन कर फूल देकर श्रद्धांजलि अर्पित की और उसके बाद दुल्लभछड़ के डाकबंगले में सांस्कृतिक कार्यक्रमों भाग लिया. इस दिन श्रीभूमि जिले के दुल्लभछड़ा स्थित लोक निर्माण विभाग के डाक बंगले के सामने स्थायी शहीद वेदी पर पुष्पार्घ्य अर्पित और माल्यार्पण के माध्यम से कार्यक्रम का आरंभ हुआ। अंत में डाक बंगला परिसर में समाजसेवी संगठन ÷विष्णुप्रिया मणिपुरी हिंगाला नुया मिंगाल÷ द्वारा आयोजित चर्चा सभा की अध्यक्षता गैर सरकारी शिक्षा संस्थान टी, एस आईडियल होम के प्राचार्य सूरोजित सिंह ने की। मुख्य अतिथि के रूप में रामकृष्ण नगर विधानसभा के विधायक विजय मालाकार उपस्थित थे। इस दिन विधायक विजय ने स्थायी शहीद वेदी पर सुदेश्ना सिंह की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं पुष्पार्घ्य अर्पित कर श्रद्धांजलि अर्पित की। चर्चा सभा के शुभारंभ में कलाकार साधना सिंह ने शहीद सुदेश्ना सिंह पर लिखित गीत प्रस्तुत किया। बाद में चर्चा सभा में उपस्थित वक्ताओं ने अपने भाषण में विष्णुप्रिय मणिपुरी भाषा आंदोलन के इतिहास को उजागर करते हुए शाहिद सुदेश्ना सिंह के आत्मबलिदान को श्रद्धा के साथ याद किया। सीवीपी हाईयर सेकेंडरी स्कूल के पूर्व प्राचार्य ब्रज गोपाल सिंह ने अपने भाषण में कहा कि वर्तमान समय में विष्णुप्रिय मणिपुरी भाषा के अधिकांश शिक्षकों का रिटायरमेंट होने के बाद बराक के कई स्कूलों में ये पद खाली हैं। इससे हमारे छोटे बच्चे अपनी मातृभाषा के माध्यम से शिक्षा प्राप्त करने से वंचित हो रहे हैं। उन्होंने विधायक विजय मालाकर का ईस पर ध्यान आकर्षित करते हुए विशेष टेट परीक्षा के माध्यम से बराक के विष्णुप्रिय मणिपुरी भाषा के शिक्षकों के पद भरने की मांग की। उन्होंने कहा कि जब ये पद भरे जाएंगे, तब शहिद सुदेश्ना की आत्मा को संतुष्टि मिलेगा। इस पर विधायक विजय ने अपने भाषण में कहा कि वह जल्द ही इस मामले में राज्य के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा और शिक्षा मंत्री रौनज पेगू से बात करेंगे। साथ ही उनके नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल इस विषय में मंत्री के पास जाकर इस मांग को प्रस्तुत कर सके, इस व्यवस्था को भी सुनिश्चित करेंगे। इसके अलावा उस दिन विधायक दुल्लभछड़ा में विष्णुप्रिया मणिपुरी शहिद सुदेश्ना सिंह के नाम पर में पांच सौ सीटों वाली ऑडिटोरियम हॉल बनाने का ऐलान किया इसके अलावा पुस्तकालय का निर्माण करने के साथ-साथ अपनी क्षेत्र विकास कोष में से विष्णुप्रिया मणिपुरी शहीद सुदेश्ना सिन्हा की पूरी प्रतिमा स्थापित करने का वादा किया। इसके अलावा, वे घोषणा करते हैं कि हर साल शहीद दिवस पर विष्णुप्रिया मणिपुरी समाज के अग्रणी व्यक्तित्व और मेधावी छात्रों को उनके व्यक्तिगत प्रयासों से पुरस्कृत किया जाएगा। इस दिन बच्चे नृत्य, गीत प्रस्तुत करते हैं और कविता पाठ करते हैं जिससे इस कार्यक्रम को और भी मनमोहक बना देते हैं। शाम को शहीद की याद में मोमबत्ती मार्च में सैकड़ों भाषा प्रेमियों ने दुल्लभछड़ा की मुख्य सड़कें परिक्रमा कीं। इस दिन कार्यक्रम में विष्णुप्रिया मणिपुरी विकास समिति के सदस्य तथा महासभा केंद्रीय समिति के सचिव सुर्जीत सिन्हा, सीवीपी स्कूल के पूर्व अध्यक्षक ब्रजगोपाल सिन्हा, अध्यापक देवाशीष सिन्हा, पूर्व शिक्षक कमला कांत यादव, बीजेपी दुल्लभछड़ा मंडल के पूर्व महासचिव प्रणव मुखर्जी, दरगाबंद जीपी के पूर्व अध्यक्ष हेमचंद्र चाटार्जी, मनोरंजन सिन्हा, कामिनी सिन्हा, डॉ. संतोष सिन्हा, स्वपन सिन्हा, दिवाकर राय, सुभेंदु दास, अंशुमान पाल सहित अन्य प्रतिष्ठित व्यक्तित्व उपस्थित थे। इसके साथ ही पूरे कार्यक्रम का संचालन विष्णुप्रिया मणिपुरी हिंगला नुआ मिंगाल के अध्यक्ष देवब्रत सिन्हा, सचिव विश्वजीत सिन्हा और कार्यक्रम सभा के अध्यक्ष सुर्जीत सिन्हा द्वारा 30वाँ विष्णुप्रिया मणिपुरी भाषा शहीद दिवस धूमधाम से मनाया।

प्रत्येक गांव से अधिक से अधिक विद्यार्थी विश्वविद्यालय में पढ़ने आए ......

उन्होंने कहा कि आजकल मोबाइल के अत्यधिक उपयोग के कारण विद्यार्थी और शिक्षकों में किताब पढ़ने की आदत कम होती जा रही है इसलिए राजभवन और शासन ने पढ़े विश्वविद्यालय बढ़े पढ़े महाविद्यालय बढ़े महाविद्यालय का कार्यक्रम निर्देशित किया था। इसमें और संख्या जोड़ी जानी चाहिए। ऐसे कार्यक्रमो को व्यापक स्वरूप में करने के लिए विश्वविद्यालय कार्यक्रमों के लिए अलग-अलग कमेटी बनाकर उसको और व्यवस्थित ढंग से संचालित कर सकती है। इस संबंध में भी उन्होंने दिशा निर्देश और मार्गदर्शन विश्वविद्यालय को दिया। इससे पूर्व कुलपति प्रोफेसर कविता शाह ने विश्वविद्यालय की प्रगति यात्रा का पावर पॉइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से बहुत ही प्रभावी प्रस्तुति की जिसको कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल ने बहुत ही सराहना की ।कार्यक्रम के अंत में राम वन गमन का नाट्य मंचन विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों के द्वारा किया गया। नाट्यमंचन को देखते हुए राज्यपाल एवं कुलाधिपति भावुक हो गयी । राज्यपाल सहित सभी श्रोताओं ने उसे मंचन को बहुत ही सराहना की। समीक्षा कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के अधिकारी एवं सभी शिक्षकगण उपस्थित रहे।

सदर तहसील के संपूर्ण समाधान दिवस में मिली 56 शिकायतें, 6 का निस्तारण त्वरित

स्वतंत्र प्रभात

मथुरा। सदर तहसील में शनिवार की छुट्टी होने के कारण सोमवार को संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन हुआ जिसमें 56 शिकायतें मिली। गौरतलब है कि सदर तहसील में रिंकू राही (आईएएस) एसडीएम की अध्यक्षता में नेहा रावत बीडीओ फरह और अपर तहसीलदार ने संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया। श्री रही ने बताया हमें 56 शिकायतें मिली 6 शिकायतों का निस्तारण मौके पर हो गया और कुछ शिकायतों का निस्तारण शाम तक हो जाएगा। जिनमें शिकायतें कोर्ट से संबंधित और कुछ शिकायतों का पहले ही निस्तारण हो चुका था जिसमें शिकायतकर्ता अनविज्ञ था। एसडीएम ने संपूर्ण समाधान दिवस के बाद सभी विभागीय कर्मचारियों को जनता सनी का पाठ पढ़ाया एसडीएम ने बताया कि सरकार की मंशा के अनुसार जनता की सुनवाई हर्ज कर्मचारी का कर्तव्य है जनता को लगना चाहिए कि हमारी सुनवाई हर विभाग में समय से हो रही है।

अनु.जा की पीड़िता पर मुकदमा वापस लेने बनाया जा रहा है दबाव

स्वतंत्र प्रभात

मथुरा । प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र प्रभारी राल द्वारा एएनएम के साथ पिछले दिनों की गई अश्लीलता के मामले को न्यायालय से वापस लेने के दबाव में कल उसे व उसके पति को कुछ लोगों ने रोककर मारपीट करने का प्रयास किया। पीड़िता का कहना है कि पुलिस द्वारा इस मामले में कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है। पति के साथ पीड़िता आज एसएसपी कार्यालय पहुंची। जहां उसने बताया कि राल प्रभारी राकेश सिकरवार ने उसके साथ पिछले दिनों अश्लीलता की थी और निर्वस्त्र करने का प्रयास किया। जिसे लेकर पुलिस द्वारा रिपोर्ट दर्ज न करने पर उसने न्यायालय की शरण ली। एस-एसटी कोर्ट में उसका मामला विचाराधीन है। जिसे वापस लेने के लिए दबाव बनाया जा रहा है। दो रोज पूर्व जब वह अपने पति के साथ बाइक से लौट रही थी तभी ओल के रहने वाले नौगांव के सीएचओ जावेद ने उन्हें रोक लिया और मारपीट कर मुकदमा वापस लेने को धमकाया। इसकी रिपोर्ट भी पीड़िता द्वारा फरह थाने में दर्ज करा दी गई है। लेकिन पुलिस द्वारा कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है।

दुष्कर्म आरोपी को नहीं पकड़ रहीं पुलिस

मथुरा । 9 वर्ष की बालिका के साथ दुष्कर्म करने वाले आरोपी के विरुद्ध पुलिस द्वारा कार्रवाई न किए जाने पर आज परिजन एसएसपी कार्यालय पहुंचे। जैत थाना क्षेत्र अन्तर्गत गांव गोदाआटस निवासी भूरा शर्मा ने बताया कि दुलहरी के दिन उनकी नौ वर्षीय बेटी को इसी गांव का रहने वाला प्रमोद पुत्र बनवारी उठा ले गया और बाथरू में बंदकर उसके साथ दुष्कर्म किया। बालिका के चीखने-चिल्लाने की आवाज सुनकर पिता भी मौके पर पहुंच गया। लेकिन इस बीच आरोपी मौके से भाग गया। पीड़ित का कहना है कि पुलिस आरोपी के विरुद्ध रिपोर्ट तो दर्ज कर ली लेकिन दो रोज बाद भी उसे गिरफ्तार नहीं किया है। वह गांव खुलेआम घूम रहा है।

आक्रोषित अधिवक्तायों ने एस एसपी कार्यालय का किया घेराव

स्वतंत्र प्रभात

मथुरा । सड़क दुर्घटना में कहासुनी के बाद कृष्ण नगर चौकी प्रभारी विक्रांत तोमर द्वारा अधिवक्ता अमरजीत सिंह के साथ की गई मारपीट और अभद्रता के विरोध में आज वकीलों ने एसएसपी कार्यालय घेरा और दोषी उपनिरीक्षक को निलंबित करने की मांग की। प्रदर्शन के दौरान एसएसपी के अपने कार्यालय के बाहर न आने पर वकीलों का गुस्सा और बढ़ गया और उन्होंने एसएसपी मुदार्बाद, पुलिस प्रशासन हाय-हाय के नारे लगाते हुए काफी देर तक हंगामा काटा। अधिवक्ताओं का कहना था कि चौकी प्रभारी द्वारा जानबूझकर अधिवक्ता के साथ अपराधियों जैसा बर्ताव किया गया जिससे पूरे वकील समाज में रोष व्याप्त है। वकीलों का कहना है कि दोषी चौकी प्रभारी को निलंबित न किया गया तो अधिवक्ता हड़ताल पर चले जाएंगे। वहीं इस मामले को लेकर एसएसपी का कहना है कि पूरे मामले की जांच कराई जा रही है। दोषी पाये जाने पर किसी को बक्शा नहीं जाएगा।

आचार्य नरेंद्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्व विद्यालय अयोध्या के प्रबंध परिषद के सदस्य नामित हुए ध्रुव कुमार त्रिपाठी

स्वतंत्र प्रभात

सिद्धार्थनगर। विधान परिषद उत्तर प्रदेश के सदस्य ध्रुव कुमार त्रिपाठी को आचार्य नरेंद्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्व विद्यालय अयोध्या के प्रबंध परिषद सदस्य नामित होने पर शिक्षकों और क्षेत्र को लोगों ने खुशी व्यक्त की है। शिक्षक विधायक ध्रुव कुमार त्रिपाठी ने बताया कि विधान परिषद सचिवालय उत्तर प्रदेश के सभापति द्वारा आचार्य नरेंद्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्व विद्यालय अयोध्या के प्रबंध परिषद का सदस्य नामित किया गया है। शिक्षक विधायक ध्रुव कुमार त्रिपाठी गोरखपुर - अयोध्या शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र से सन 2020 में लगातार तीसरी बार विधान परिषद सदस्य के रूप में निर्वाचित हुए हैं और पहली बार सन 2008 में शिक्षक विधायक निर्वाचित होने का गौरव प्राप्त हुआ है। इसके पूर्व लगातार एक दशक से अधिक समय तक उप्र माध्यमिक शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष और अन्य पदों पर रहकर शिक्षकों की समस्या को दूर करने के लिए संघर्षरत रहे। इनकी ईमानदारी, शिक्षक हितों की रक्षा के लिए संघर्ष को देखते हुए संगठन ने इन्हें शिक्षक विधायक के चुनाव में उम्मीदवार बनाया था। वर्तमान में इनके द्वारा पुरानी पेंशन बहाली, तदर्थ शिक्षको की समस्या, वित्तविहीन शिक्षकों के लिए समान कार्य का समान वेतन का सिद्धांत लागू करने, परिषदीय और महा विद्यालयों के शिक्षकों की समस्या सहित अनेक समस्याओं को सत्र के दौरान सदन में उठाया गया। जिस पर सरकार का सकारात्मक आश्वासन रहा और कई समस्याओं को दूर भी किया गया। माध्यमिक शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष राम विलास यादव, महामंत्री हृदय नारायण मिश्र, प्रभात शुक्ला, प्रधानाचार्य संजय कुमार गुप्ता, डा सतेंद्र मिश्र, अंब्रीश मिश्र, रामेश्वर पाण्डेय, मयंक पाण्डेय, हरिशंकर सिंह, अनिल सिंह, राजेश यादव, राम दरस यादव, आशीष मौर्या, अनिल चौबे, विरेंद्र पाण्डेय, राम उजागिर पाण्डेय, चंद्र भान त्रिपाठी, प्रदीप त्रिपाठी आदि ने खुशी व्यक्त की है।

नौ दिवसीय श्री विष्णु महायज्ञ , संगीतमय श्री राम कथा को लेकर हुआ कलश पूजन

स्वतंत्र प्रभात

सिद्धार्थनगर। भनवापुर क्षेत्र के चौखड़ा में स्थित श्री राम जानकी मंदिर में नव दिवसीय श्री विष्णु महायज्ञ एवं संगीतमय भव्य श्री राम कथा का आयोजन सोमवार को कलश पूजन के साथ शुरू हुआ। कलश यात्रा श्री राम जानकी मंदिर प्रांगण से जोरदार जय घोष के साथ डुमरियागंज स्थित राप्ती नदी के घाट पर पहुंचे। यज्ञाचार्य सुनील शास्त्री व कथा वाचक बलराम दास द्वारा वैदिक मंत्रों के साथ पूजन अर्चन कर नदी का पवित्र जल कलशों में भरवाया गया। उसके बाद यज्ञ स्थल पर पहुंचकर कलश को स्थापित किया गया। कथा वाचक बलराम दास शास्त्री ने बताया कि श्री विष्णु महायज्ञ एवं संगीतमय भव्य श्री राम कथा का शुभारंभ सोमवार को कलश यात्रा के साथ शुभारंभ हुआ। उन्होंने बताया कि सोमवार की शाम 7 बजे से रात्रि 12 बजे तक संगीतमय श्री राम कथा का रसपान कराया जाएगा। इस दौरान मुख्य यजमान घनश्याम अग्रहरि, गोकर्ण पाण्डेय, आकाश चौधरी, राम सेवक यादव, राम गोपाल गुप्ता, रवि कसौधन, गुड्डू यादव आदि मौजूद रहे।

नगर विकास एवं उर्जा मंत्री और भदोही के प्रभारी मंत्री ए.के. शर्मा ने किया विकास कार्यों की समीक्षा

स्वतंत्र प्रभात

लखनऊ/भदोही। उत्तर प्रदेश के नगर विकास एवं उर्जा मंत्री और भदोही जनपद के प्रभारी मंत्री ए.के. शर्मा ने अपने एक दिवसीय दौरे पर भदोही पहुंचकर जनपद के विकास कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि जनपद के सभी अधिकारी जनप्रतिनिधियों से सामंजस्य स्थापित कर विकास कार्यों को गति दे, जिससे पूर्ण गुणवत्ता के साथ एवं समय से कार्य पूरे हो। मंत्री श्री ए.के. शर्मा के भदोही पहुंचने पर भाजपा कार्यकर्ताओं एवं समर्थकों ने जोरदार स्वागत व अभिनंदन किया। सर्वप्रथम मंत्री एके शर्मा कलेक्ट्रेट सभागार पहुंचे, जहां उन्होंने भदोही जिले के सभी जनप्रतिनिधियों के साथ बैठक कर विकास कार्यों पर फीडबैक और सुझाव लिया। इसके बाद जिले के सभी विभागों के अधिकारियों के साथ बैठक कर विकास कार्यों की कलेक्ट्रेट सभागार में समीक्षा की और अधिकारियों को जरुरी निर्देश भी दिए। इस दौरान मंत्री ए.के. शर्मा ने बिजली विभाग, नगर विकास विभाग, लोक निर्माण विभाग सहित सभी विभागों के अधिकारियों को जिले के सभी जनप्रतिनिधियों के साथ समन्वय बनाने का निर्देश दिया। इस दौरान मंत्री ए.के. शर्मा ने बिजली विभाग के अधिकारियों की कार्यशैली पर नाराजगी व्यक्त करते हुए कड़ी फटकार लगाई और कहा कि सुधर जाओ वरना घर पहुंचने से पहले ही सस्पेंशन लेटर पहुंच जायेगा। उन्होंने कहा कि बिजली विभाग में पैसे की कोई कमी नहीं है, इसलिए काम भी समय पर होने चाहिए और जनप्रतिनिधियों से सामंजस्य स्थापित कर विकास कार्यों की गति को आगे बढ़ायें। मंत्री एके शर्मा ने आने वाली गर्मी के दृष्टिगत बिजली विभाग में मेंटिनेंस और ट्रांसफार्मर्स में तेल व क्षमता वृद्धि आदि सभी कार्यों को समय से पूरा करने का निर्देश दिया, जिससे भदोही जिले में निर्बाध विद्युत व्यवस्था बनी रहे। इसके साथ ही जलकल और पीडब्ल्यूडी के अधिकारियों को भी विकास कार्यों को समय से पूरा करने का निर्देश दिया। मंत्री श्री ए.के. शर्मा ने महाकुंभ का सफल आयोजन संपन्न होने के बाद सोमवार को अपने प्रभार जनपद भदोही में सफल महाकुंभ की चर्चा करते हुए उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले निकाय के अधिशासी अधिकारियों को प्रशस्ति पत्र देकर प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि महाकुम्भ मेला क्षेत्र के साथ साथ प्रयाग के आसपास के सभी जिलों में भी नगर निकायों ने तीर्थयात्रियों की पूरी सेवा किया। ख़ास करके साफ सफाई, पेयजल, शौचालय एवं अन्य आवश्यक सुविधाएं चाक-चौबंद रखीं। इसके लिए कार्मिकों की जितनी भी प्रशंसा की जाए वह कम है। उन्होंने निकाय अधिकारियों को नगरीय क्षेत्र में पहले की तरह ही सफाई एवं अन्य सुविधाएं जारी रखने का निर्देश दिया। इस दौरान बैठक में ज्ञानपुर भदोही विधायक श्री विपुल दुबे, औराई विधायक श्री दीनानाथ भास्कर,भाजपा जिलाध्यक्ष श्री दीपक मिश्रा , जिलाधिकारी भदोही, मुख्य विकास अधिकारी, बिजली विभाग व नगर विकास विभाग सहित सभी विभागों के अधिकारी गण उपस्थित रहे।

खेत में बकरी चराने से रोका तो दबंगों ने मारा पीटाः एसपी से लगाया न्याय की गुहार

बस्ती। बस्ती जिले केमुण्डेरवा थाना क्षेत्र के कुम्हिया मिश्रैलिया निवासी राजमन पुत्र सदानन्द ने शनिवार को पुलिस अधीक्षक को सम्बोधित पत्र देकर बकरी चराने को लेकर दबंगों द्वारा मारने पीटने, बेटे का सिर फोड़ देने के मामले में दोषियों के विरूद्ध मुकदमा पंजीकृत कराकर अपने परिवार के जान माल की रक्षा की गुहार लगाया है। एसपी को दिये पत्र में राजमन ने कहा है उसके बरसीन के खेत में गत 14 मार्च को होली के दिन गांव के ही दुःखरन पुत्र रमई उसके खेत में बकरियों को चरा रहा था। जब वह बकरियों को खेत से भगाने लगा तो दुःखरन काफी नाराज हो गये।

गांव में जाकर दुखरन अपने लड़के मजनू उर्फ अरूण, सन्तोष, जिलाजीत पुत्र पूर्णमासी, गोपाल पुत्र मिलन, लालमन पुत्र रमई, धर्मेन्द्र, सोनू पुत्रगण रामफेर, मुन्नीलाल पुत्र नसीब, गब्बू पुत्र पेचाली, हितेश्वर पुत्र अगनू, सोनबरसा पुत्र दुःखरन आदि एक राय होकर लाठी, डंडा, लोहे ही राड लेकर आये और भद्दी-भद्दी गालियां देते हुये उसे मारने पीटने लगे। मारपीट के दौरान जब राजमन को उसके पुत्र जितेन्द्र और वीरेन्द्र बचाने आये तो दबंगों ने उन्हें भी मारा पीटा। उसके पुत्र जितेन्द्र का सर फट गया।घटना की सूचना मुण्डेरवा थाने को दिया गया किन्तु पुलिस ने न तो मुकदमा दर्ज किया न ही चोटों का मुआयना ही कराया गया। इससे राजमन का परिवार काफी डरा हुआ है।